HINDI

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

(हिन्दी)

हिन्दी विषय का यू.जी.सी. मॉडल पर

आधारित पाठ्यक्रम

With CBCS / Grading Pattern

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति एवं एक्सटर्नल पद्धति के छात्रों के लिए

प्रथम एवं द्वितीय सत्र

(Regular & External Students)

जून-२०१७ से कार्यान्वित

पृष्ठ संख्या : १ से २५ तक

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 101	सामान्य स्तर: आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी, जीवनी)
प्रश्नपत्र - २	CC 102	विशेष स्तर : प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (तुलसीदास – रामचरित मानस – (अयोध्या कांड) (सूरदास-भ्रमरगीत सार)
प्रश्नपत्र - ३	CC 103	विशेष स्तर : भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत
प्रश्नपत्र - ४	CE 104	विशेष स्तर : वैकल्पिक विशेष साहित्यकार
	CE 104	(अ) कबीर
	CE 104	(ब) प्रेमचंद – गोदान प्रेमचंद – प्रतिनिधि कहानियाँ
	CE 104	(क) नाटककार मोहन राकेश
प्रश्नपत्र - ५	IDC 105	राजभाषा प्रशिक्षण

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 101	सामान्य स्तर - आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास कहानी तथा आत्मकथा)
- २		उपन्यास – ठीकरे की मंगनी - नासिरा शर्मा (किताबघर प्रकाशन, दिल्ली)
- ३		कहानी - भीष्म साहनी की प्रतिनिधि कहानियाँ - - राजकमल प्रकाशन, (गंगो का जाया, चीफ की दावत, खून का रिश्ता माता-विमाता, अमृतसर आ गया है, सागमीट, बाङ्चू, लीला नन्दलाल की)
- ४		आत्मकथा-क्या भूलूँ क्या याद करु–हरिवंशराय बच्चन प्र. राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली ।

प्रश्नपत्र - १ प्रश्नपत्र का स्वरुप १४ अंक

उपन्यास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न होगा (विकल्पसहित)

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र - २	उपन्यास पर दीर्घोत्तरी प्रश्न होगा (विकल्प सहित)	१४ अंक
प्रश्नपत्र - ३	कहानी पर वैकल्पिक प्रश्न (विकल्प सहित)	१४ अंक
प्रश्नपत्र - ४	उपन्यास अथवा आत्मकथा, कहानी अथवा कहानी में से टिप्पणियाँ पूछनी होगी	१४ अंक
प्रश्नपत्र - ५	अति लघुत्तरी प्रश्न (हिन्दी १२ में से ७) (सभी कृतियों में से)	१४ अंक

संदर्भ :

१. उपन्यासकार नासिरा शर्मा – सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली ।

२. महिला उपन्यासकारों की रचनाओं में बदलते सामाजिक संदर्भ : शील प्रभा वर्मा – विद्या विहार प्रकाशन, कानपुर ।

३. मुस्लिम उपन्यासकार : परिवेश और उपन्यास - वाङ्मय प्रकाशन, अलीगढ ।

४. कथाकार भीष्म साहनी – डॉ. कृष्णा पटेल, चिन्तन प्रकाशन, कानपुर ।

५. भीष्म साहनी : व्यक्ति और रचना - राजेश्वर सक्सेना, प्रताप ठाकुर - वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

६. आत्मकथा साहित्य - सिद्धांत और समीक्षा - डॉ. आनंद सिंहल, अमन प्रकाशन, कानपुर ।

७. हिन्दी आत्मकथा - स्वरुप एवं साहित्य - डॉ. कमलेश सिंह, अमन प्रकाशन, कानपुर ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 102	विशेष स्तर – प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (तुलसीदास तथा सूरदास)

१. तुलसीदास – रामचरितमानस (अयोध्यार्काड) – (संदर्भ के लिए)
प्रकाशन – लोकभारती प्रकाशन, ईलाहाबाद ।

२. सूरदास - भ्रमरगीत सार - आ. रामचंद्र शुक्ल पर संख्या - २५
४, ६, ८, ९, ११, १६, १८, २२, २३, २४, २५, २६, २७, २८, ३१, ३४, ३९, ४१, ४२, ४५, ५०, ५७, ६१, ६४, ७५, = २५

प्रश्नपत्र का स्वरुप तथा अंक विभाजन

१. संदर्भ व्याख्या :
तुलसीदास अथवा तुलसीदास – ७
सूरदास अथवा सूरदास - ७ : १४ अंक

२. तुलसीदास अथवा तुलसीदास पर दीर्घोत्तर प्रश्न - १४ अंक

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

३. सूरदास अथवा सूरदास पर दीर्घोत्तर प्रश्न - १४ अंक

४. तुलसीदास अथवा सूरदास पर वैकल्पिक टिप्पणियाँ - १४ अंक

५. अति लघुत्तरी प्रश्न : (किन्हीं १२ में से – ७) (सभी कृतियों से) – १४ अंक

संदर्भ ग्रंथ :

१. सूरदास : आ. रामचंद्र शुक्ल : सरस्वती मंदिर, वाराणसी ।

२. सूर मीमांसा - डॉ. व्रजेश्वर शर्मा, ऑरिएन्टल बुक, दिल्ली ।

३. सूर साहित्य - आ. हजारी प्रसाद त्रिवेदी – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

४. भ्रमरगीत का काव्य सौंदर्य – डॉ. सत्येन्द्र पारीक, सुशील प्रकाशन, अजमेर ।

५. सूर की काव्य - साधना - डॉ. नरेन्द्रसिंह परैजदार, गिरनार प्रकाशन, मेहसाणा ।

६. अयोध्यकांड - योगेन्द्र प्रतापसिंह, ईलाहाबाद ।

७. गोस्वामी तुलसीदास – व्यक्तित्व एवं साहित्य - रामदत्त भारद्वाज ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	**कोड नं.**	**विषय**
प्रश्नपत्र - १	CC 103	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत

विभाग :

(क) संस्कृत काव्यशास्त्र :

(१) काव्य-परिभाषा, काव्यलक्षण, काव्यहेतु, काव्य-प्रयोजन काव्य के प्रकार ।

(२) रस सिद्धांत -

रस का स्वरुप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा ।

(३) अलंकार सिद्धांत -

अलंकार सिद्धांत की मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण ।

(४) रीति सिद्धांत -

रीति की अवधारणा, काव्य गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

(५) ध्वनि सिद्धांत -

ध्वनि का स्वरुप, ध्वनि सिद्धांत की स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख जोडे, गुणीकूत व्यंग्य, चित्र काव्य ।

(६) औचित्य सिद्धांत -

प्रमुख स्थानाएँ, औचित्य के भेद ।

विभाग :

(ख) हिन्दी कवि आचार्यो का काव्यशास्त्रीय चिन्तन :

लक्षण काव्य परंपरा एवं कवि लक्षण

विभाग (क) और (ख) में से तीन दीर्घोत्तरी (वैकल्पिक) प्रश्न - १४ अंक के

विभाग (क) और (ख) में से टिप्पणियाँ - १४ अंक

दोनों विभागों में अति लघुत्तरी प्रश्न - १४ अंक

(किन्ही १२ में से ७)

संदर्भ के लिए किताबें :

(१) भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा - डॉ. नगेन्द्र-नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली ।

(२) भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र-नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली ।

(३) रस सिद्धांत - डॉ. नगेन्द्र – प्रकाशन वही ।

(४) काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

(५) रस सिद्धांत - स्वरुप एवं विश्लेषण - डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित - राजकमल प्रकाशन दिल्ली ।

(६) भारतीय समीक्षा सिद्धांत - डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी संजय बुक सेन्टर, वाराणसी ।

(७) भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. ज्ञानराज काशीनाथ गायकवाड, क्वालिटी बुक्स, कानपुर ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 103	संदर्भ - भारतीय काव्य शास्त्र

(१) भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा - डॉ. नगेन्द्र-नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली ।

(२) भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र-नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली ।

(३) रस सिद्धांत - डॉ. नगेन्द्र – प्रकाशन वही ।

(४) काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

(५) रस सिद्धांत - स्वरुप एवं विश्लेषण - डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित - राजकमल प्रकाशन दिल्ली ।

(६) भारतीय समीक्षा सिद्धांत - डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी संजय बुक सेन्टर, वाराणसी ।

(७) भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. ज्ञानराज काशीनाथ गायकवाड, क्वालिटी बुक्स, कानपुर ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CE 104	(अ) कबीर - आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
संदर्भ के लिए पद :		१, ५, ८, ९, १०, ११, १२, १३, १५, १८, २०, २२, २५, २७, ३०, ३२, ३३, ३५, ३६, ३७, ३८, ३९, ४१, ४३, ४५, ५५, ६३, ६६, ६७, ६९ = **३० पद**
प्रश्नपत्र - २	CE 104	(आ) प्रेमचंद – गोदान – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
	CE 104	प्रेमचंद – प्रतिनिध कहानियाँ राजकमल प्रकाशन, दिल्ली । (ईदगाह, पूस की रात, सवा सेर गेहूं, शतरंज के खिलाडी, ठाकुर का कुआँ, सद्गति, कफन ।)
प्रश्नपत्र - ३	CE 104	नाटककार मोहन राकेश - आषाढ का एक दिन और लहरों के राजहंस, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र का स्वरुप तथा अंक विभाजन :

ससंदर्भ व्याख्या (वैकल्पिक)	-	७ x २	=	१४ अंक
वैकल्पिक दीर्घोतरी प्रश्न तीन (वैकल्पिक)	-			१४ अंक
टिप्पणियाँ (वैकल्पिक)	-			१४ अंक
अति लघुत्तरी प्रश्न (१२ में से ७)	-			१४ अंक

संदर्भ :

१. कबीर साहित्य की परख - आ. परशुराम चतुर्वेदी, भारती भंडार, लीडर प्रेस ईलाहाबाद ।

२. कबीर विचारधारा - गोविंद त्रिगुणायत, साहित्य निकेतन, कानपुर ।

३. गोदान - एक अध्ययन - डॉ. रामगुप्त वर्मा, चिन्तन प्रकाशन, कानपुर ।

४. प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व - डॉ. नारायण, हंस प्रकाशन, कानपुर ।

५. हिन्दी के प्रतिनिधि कहानीकार – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक भंडार, आगरा ।

६. आज का हिन्दी नाटक – प्रगति और प्रभाव - डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली ।

७. मोहन राकेश का नारी संसार – श्रीमति पिंपलापुरे, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	IDP 105	राजभाषा प्रशिक्षण

- भारत की बहुभाषिकता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता ।
- राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रकृति ।
- राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद ३४३ से ३५१ तक राष्ट्रपति के आदेश (१९५२ से १९५५, १९६०) राजभाषा अधिनियम १९६३, राजभाषा संकल्प १९६८ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी ।
- हिन्दी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न हिन्दी संस्थाओं की भूमिका ।
- हिन्दी कम्प्युटरीकरण ।
- बैंकिंग, बीमा और अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति ।
- भू-मंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

संदर्भग्रंथ सूची :

१. राजभाषा हिन्दी – डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया

२. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी – डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी

३. प्रयोजनमूलक हिन्दी – विनोद गोदरे

४. कम्प्युटर के विविध आयाम - रामगोपाल सिंह

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

हिन्दी

हिन्दी विषय का Sem/CBCS/Grading Pattern
पर आधारित पाठ्यक्रम

M. A. (Semester I & IV)

Inter Disciplinary Course

From : June - 2014 से कार्यान्वित

दिनांक : ५/६/२०१४

(पृष्ठ १ से ४)

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

HEMCHANDRACHARYA NORTH GUJARAT UNIVERSITY, PATAN

M.A. Hindi

(Subject Re;eted) Inter Diciplinary Paper - 5 (105)

Syllabus/ Scheme, Semester - I

W.E.F. June - 2014

(राजभाषा प्रशिक्षण)

---

* भारत की बहुभाषिकता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता
* राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रकृति
* राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद ३४३ से ३५१ तक राष्ट्रपति के आदेश (१९५२ से १९५५, १९६०) राजभाषा अधिनियम १९६३, राजभाषा संकल्प १९६८ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी
* हिन्दी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न हिन्दी संस्थाओं की भूमिका
* हिन्दी कम्प्युटटीकरण
* बैंकिंग, बीमा और अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति
* भू-मण्डलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य

* **संदर्भग्रंथ सूची :**

(१) राजभाषा हिन्दी - डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया

(२) प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी - डॉ.कृष्णकुमार गोस्वामी

(३) प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे

(४) कम्प्युटर के विविध आयाम - रामगोपालसिंह

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

पाठ्यक्रम के हेतु

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की निर्देशिका के अनुसार हिन्दी अभ्यास समिति ने एम. ए. सेमेस्टर I से IV का पाठ्यक्रम तैयार किया है | इस पाठ्यक्रम के हेतु निम्नांकित हैं -

- भाषा-साहित्य के छात्र विभिन्न साहित्यिक विधाओं के स्वरूप और तत्त्वों से अवगत हो |
- भाषा-साहित्य के छात्र उपन्यास , कहानी , नाटक , एकांकी , निबंध , आत्मकथा , जीवनी , संस्मरण , रेखाचित्र , महाकाव्य , खंडकाव्य , गीतिनाट्य आदि साहित्यिक विधाओं के उद्भव और विकास से परिचित हो |
- विभिन्न साहित्यिक विधाओं में निरूपित परिवेश , युगीन समस्याओं , समाज-जीवन , रीति-रिवाज , विभिन्न त्यौहार , संस्कृति , लोकबोली , लोकगीतों आदि से भाषा-साहित्य के छात्र रूबरू हो |
- भाषा-साहित्य के छात्र कवियों-लेखकों के विचार-जगत और कल्पना-जगत से परिचित हो |
- विभिन्न साहित्यिक रचनाओं के काव्य-सौंदर्य और भाव-सौंदर्य से भाषा-साहित्य के छात्र परिचित हो |
- भाषा-साहित्य के छात्र विभिन्न कृतियों में निरूपित भाषा के विविध रूपों , मुहावरों , कहावतों , विशिष्ट उक्तियों , अलंकारों , छंदों , उपमानों , शब्द-वैविध्य आदि से अवगत हो |
- भाषा-साहित्य के छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि का विकास हो |
- छात्रों का साहित्य के प्रति लगाव बढ़े और अन्य साहित्यिक कृतियों को पढ़ने की प्रेरणा मिले |

I/C Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र १ से ४ (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -101	आधुनिक हिन्दी कथा-साहित्य
प्रश्नपत्र -२	CC -102	मध्ययुगीन हिन्दी काव्य
प्रश्नपत्र -३	CC -103	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त
प्रश्नपत्र -४	CC -104	नाटककार मोहन राकेश
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID - 105 A	राजभाषा प्रशिक्षण (वैकल्पिक)
	ID - 105 B	हिन्दी साहित्य और सिनेमा-जगत (वैकल्पिक)
	ID - 105 C	विशिष्ट साहित्यकार : प्रेमचन्द (वैकल्पिक)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -201	आधुनिक हिन्दी नाटक तथा अन्य विधाएँ
प्रश्नपत्र -२	CC -202	मध्ययुगीन हिन्दी काव्य
प्रश्नपत्र -३	CC -203	पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धान्त और वाद
प्रश्नपत्र -४	CC -204	हिन्दी उपन्यास
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID- 205 A	सूफी काव्य परंपरा और जायसी का 'पद्मावत ' (वैकल्पिक)
	ID- 205 B	हिन्दी दलित साहित्य (वैकल्पिक)
	ID- 205 C	हिन्दी व्यंग्य साहित्य (वैकल्पिक)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -301	आधुनिक हिन्दी काव्य - I
प्रश्नपत्र -२	CC -302	सैद्धान्तिक भाषाविज्ञान
प्रश्नपत्र -३	CC -303	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - I
प्रश्नपत्र -४	CC -304	अनुवादविज्ञान
प्रश्नपत्र -५	ID - 305 A	हिन्दी लेखन कौशल (वैकल्पिक)
(तीन में से कोई	ID - 305 B	जनसंचार प्रक्रिया और हिन्दी (वैकल्पिक)
एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID - 305 C	लोक साहित्य (वैकल्पिक)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -401	आधुनिक हिन्दी काव्य - II
प्रश्नपत्र -२	CC -402	हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास
प्रश्नपत्र -३	CC -403	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - II
प्रश्नपत्र -४	CC -404	शोध प्रविधि
प्रश्नपत्र -५	ID- 405 A	कोश विज्ञान (वैकल्पिक)
(तीन में से कोई	ID- 405 B	हिन्दी पत्रकारिता (वैकल्पिक)
एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID- 405 C	भारतीय साहित्य (वैकल्पिक)

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -101 ' आधुनिक हिन्दी कथा-साहित्य '

पुस्तकें : १. ' ठीकरे की मंगनी '(उपन्यास) - नासिरा शर्मा , किताबघर प्रकाशन ,दिल्ली |

२. ' भीष्म साहनी की प्रतिनिधि कहानियाँ ' , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली |

३. ' क्या भूलु क्या याद करूँ ' (आत्मकथा) - हरिवंशराय बच्चन , राजपाल एण्ड सन्स , नई दिल्ली |

यूनिट - १. उपर्युक्त उपन्यास , कहानी-संग्रह और आत्मकथा में से ससंदर्भ व्याख्या |

यूनिट - २. ' ठीकरे की मंगनी ' उपन्यास का तात्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , देशकाल और वातावरण , भाषा-शैली , उद्देश्य | शीर्षक की सार्थकता , उपन्यास में निरूपित युगबोध या समस्याएँ |

यूनिट - ३. भीष्म साहनी की प्रतिनिधि कहानियों का तात्विक विवेचन तथा भीष्म साहनी की कहानीकार के रूप में विशेषताएँ |

यूनिट - ४. ' क्या भूलु क्या याद करूँ ' आत्मकथा का मूल्यांकन | हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथाकार के रूप में विशेषताएँ |

❖ प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ ससंदर्भ व्याख्या (उपर्युक्त उपन्यास , कहानी-संग्रह और आत्मकथा में से)

(क) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) | अंक : १४

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ उपन्यास , कहानी-संग्रह और आत्मकथा में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. उपन्यासकार नासिरा शर्मा - सामयिक प्रकाशन , नई दिल्ली |
२. महिला उपन्यासकारों की रचनाओं में बदलते सामाजिक संदर्भ - शील प्रभा वर्मा , विद्याविहार प्रकाशन , कानपुर |
३. मुस्लिम उपन्यासकार : परिवेश और उपन्यास - वाङ्मय प्रकाशन , अलीगढ़ |
४. कथाकार भीष्म साहनी - डॉ. कृष्णा पटेल , चिन्तन प्रकाशन , कानपुर |
५. भीष्म साहनी : व्यक्ति और रचना - राजेश्वर सक्सेना , प्रताप ठाकुर , वाणी प्रकाशन , दिल्ली |
६. आत्मकथा साहित्य : सिद्धान्त और समीक्षा - डॉ. आनंद सिहल , अमन प्रकाशन , कानपुर |
७. हिन्दी आत्मकथा - स्वरूप एवं सिद्धान्त - डॉ. कमलेश सिंह , अमन प्रकाशन , कानपुर |

****

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -102 ' मध्ययुगीन हिन्दी काव्य '

पुस्तकें : १. ' रामचरितमानस ' का अयोध्याकाण्ड - तुलसीदास , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद |

२. ' भ्रमरगीतसार ' - सूरदास , संपादक : आ. रामचन्द्र शुक्ल , जय भारती प्रकाशन , इलाहाबाद |

यूनिट - १. उपर्युक्त काव्य-ग्रन्थों में से ससंदर्भ व्याख्या |

यूनिट - २. अयोध्याकाण्ड का कथा-विन्यास , राम का चरित्र , अयोध्याकाण्ड के मार्मिक प्रसंग , अयोध्याकाण्ड का काव्य-सौंदर्य तथा भाव-सौंदर्य |

यूनिट - ३. भ्रमरगीत काव्य-परंपरा , सूरदास के भ्रमरगीत की उत्कृष्टता (विशेषताएँ), गोपियों की वाग्विदग्धता , विरह-वर्णन , भ्रमरगीत में भावानुभूति |

यूनिट - ४. कवि विशेष : १. तुलसीदास की भक्ति-भावना , तुलसीदास की समन्वयवादी विचारधारा , सुधारक और लोकनायक तुलसीदास | २. सूरदास की भक्ति-भावना , सूरदास में नारी के हृदय की परख-शक्ति , सूरदास की प्रेम-व्यंजना , सूरदास की भाषा |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ ससंदर्भ व्याख्या (अयोध्याकाण्ड और ' भ्रमरगीतसार ' में से) |

(क) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) | अंक : १४

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ यूनिट २ , ३ , ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. सूरदास - आ. रामचन्द्र शुक्ल , सरस्वती मंदिर , वाराणसी |

२. सूर मीमांसा - डॉ. व्रजेश्वर शर्मा , ओरिएंटल बुक , दिल्ली |

३. सूर -साहित्य - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली |

४. भ्रमरगीत का काव्य-सौंदर्य - डॉ. सत्येन्द्र पारीक , सुशील प्रकाशन , अजमेर |

५. सूर की काव्य-साधना - डॉ. नरेन्द्रसिंह परैजदार , गिरनार प्रकाशन , मेहसाणा |

६. गोस्वामी तुलसीदास - आ. रामचन्द्र शुक्ल , प्रकाशन संस्थान , नई दिल्ली |

७. तुलसी (आलोचना) - संपादक - उदयभानु सिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली |

८. मध्यकालीन हिन्दी काव्य और कवि - डॉ. सुरेशचन्द्र ' निर्मल ' |

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -103 'भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त '

यूनिट - १. काव्य की परिभाषा , काव्य के लक्षण , काव्य के हेतु , काव्य-प्रयोजन , काव्य के प्रकार |

यूनिट - २. रस-सिद्धान्त : रस का स्वरूप , रस-निष्पत्ति , रस के अंग , साधारणीकरण , सहृदय की अवधारणा |

अलंकार सिद्धान्त : अलंकार सिद्धान्त की मूल स्थापनाएँ , अलंकारों का वर्गीकरण |

यूनिट - ३. रीति सिद्धान्त : रीति की अवधारणा , काव्य-गुण , रीति एवं शैली , रीति सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ |

ध्वनि सिद्धान्त : ध्वनि का रूप , ध्वनि सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ , ध्वनि काव्य के प्रकार - उत्तम काव्य , गुणीभूत व्यंग्य काव्य , चित्र काव्य |

औचित्य सिद्धान्त : औचित्य सिद्धान्त की प्रमुख स्थापनाएँ , औचित्य के भेद

यूनिट - ४. हिन्दी कवि आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन : लक्षण काव्य परम्परा एवं कवि लक्षण , केशवदास का आचार्यत्व और उसका वैशिष्ठ्य , लक्षण काव्य परम्परा में चिंतामणि त्रिपाठी का योगदान |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा - डॉ. नगेन्द्र , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली |
२. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली |
३. रस सिद्धान्त - डॉ. नगेन्द्र , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली |
४. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी |
५. रस सिद्धान्त : स्वरूप एवं विश्लेषण - डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली |
६. भारतीय समीक्षा सिद्धान्त - डॉ. सूर्यनारायण द्विवेदी , संजय बुक सेन्टर ,वाराणसी |
७. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. ज्ञानराज काशीनाथ गायकवाड , क्वालिटी बुक्स ,कानपुर |

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -104 ' नाटककार मोहन राकेश '

पुस्तकें : १. ' आषाढ़ का एक दिन ' - राजकमल प्रकाशन , दिल्ली |

२. 'लहरों के राजहंस ' - राजकमल प्रकाशन , दिल्ली |

३. 'आधे-अधूरे ' - राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली |

यूनिट - १. उपर्युक्त नाटकों में से ससंदर्भ व्याख्या |

यूनिट - २. ' आषाढ़ का एक दिन 'नाटक का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , रंगमंचीयता , भाषा-शैली | शीर्षक की सार्थकता , प्रमुख चरित्र - कालिदास , मल्लिका , गौण पात्र - अम्बिका , विलोम आदि |

यूनिट - ३. ' लहरों के राजहंस ' नाटक का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , रंगमंचीयता , भाषा-शैली | शीर्षक की सार्थकता , प्रमुख चरित्र - नन्द , सुंदरी , गौण पात्र - |

यूनिट - ४. ' आधे-अधूरे ' नाटक का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , रंगमंचीयता , भाषा-शैली | शीर्षक की सार्थकता , प्रमुख चरित्र - महेन्द्रनाथ , सावित्री | गौण पात्र - मनोज , बिन्नी , सिंघानिया , जुनेजा , अशोक आदि |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - १ ससंदर्भ व्याख्या (उपर्युक्त उपन्यास , कहानी-संग्रह और आत्मकथा में से)

(क) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ उपन्यास , कहानी-संग्रह और आत्मकथा में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. मोहन राकेश : रंग-शिल्प और प्रदर्शन - डॉ. जयदेव तनेजा , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली |
२. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी रंगमंच - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा , अतुल प्रकाशन , कानपुर |
३. नाटककार मोहन राकेश - डॉ. सुषमा अग्रवाल , पंचशील प्रकाशन , जयपुर |
४. आज का हिन्दी नाटक : प्रगति और प्रभाव - डॉ. दशरथ ओझा , राजपाल एंड सन्स , दिल्ली |
५. समकालीन हिन्दी नाटककार - गिरीश रस्तोगी , इंद्रप्रस्थ प्रकाशन , दिल्ली |
६. समकालीन हिन्दी नाटककार और रंगमंच - डॉ. जयदेव तनेजा , तक्षशिला प्रकाशन |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र : ID- 105 A ' राजभाषा प्रशिक्षण '

यूनिट - १ भारत की बहुभाषिकता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता , राजभाषा (कार्यालयी हिन्दी) की प्रकृति |

यूनिट - २ राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद ३४३ से ३५१ तक), राष्ट्रपति के आदेश (१९५२ से १९५५ , १९६०) , राजभाषा अधिनियम -१९६३ , राजभाषा संकल्प - १९६८ , अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी |

यूनिट - ३ हिन्दी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न हिन्दी संस्थाओं की भूमिका , हिन्दी कम्प्यूटरीकरण |

यूनिट - ४ बैंकिंग , बीमा और अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति , भू-मंडलीकरण |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

संदर्भ-ग्रंथ :

१. राजभाषा हिन्दी - डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया |

२. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिन्दी - डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी |

३. प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे |

४. कम्प्युटर के विविध आयाम - रामगोपाल सिंह |

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र : ID- 105 B ' हिन्दी साहित्य और सिनेमा-जगत '

यूनिट - १ हिन्दी कहानी पर से बनी हिन्दी फिल्में :

हिन्दी कहानी	हिन्दी फिल्म
१. उसने कहा था	- उसने कहा था
२. सद्गति - प्रेमचन्द	- सद्गति
३. शतरंज के खिलाड़ी - प्रेमचन्द	- शतरंज के खिलाड़ी
४. तीसरी कसम अर्थात मारे गये गुल्फाम - फणीश्वरनाथ रेणु	- तीसरी कसम
५. यही सच है - मन्नू भण्डारी	- रजनीगंधा

यूनिट - २ हिन्दी उपन्यास पर से बनी हिन्दी फिल्में -

१. गोदान - मुंशी प्रेमचंद और हिन्दी फिल्म - गोदान |
२. आप का बंटी - मन्नू भण्डारी और हिन्दी फिल्म - समय की धारा |
३. चित्रलेखा - भगवतीचरण वर्मा और हिन्दी फिल्म - चित्रलेखा |
४. एक चादर मैली सी - कृष्ण चन्दर और हिन्दी फिल्म - एक चादर मैली सी |

यूनिट - ३ हिन्दी फिल्मों में राही मासूम रजा का योगदान :

- राही मासूम रजा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व |

- तीन सौ से अधिक फिल्मों की पटकथा और संवाद लेखन |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

यूनिट - ४ हिन्दी सिनेमा में हिन्दी गीतकारों का योगदान - १. शैलेन्द्र २. गोपालदास नीरज ३. संतोष आनन्द ४. माया गोविन्द ५. साहिर लुधियानवी |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. सिनेमा और फिल्मांतरित हिन्दी साहित्य - डॉ. गोकुल क्षीरसागर , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
२. साहित्य और सिनेमा : बदलते परिदृश्य मेन संभावनाएँ और चुनौतियाँ - डॉ. शैलजा भारद्वाज , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
३. राही मासूम रजा : एक अध्ययन - डॉ. जिलेदारसिंह , विद्या प्रकाशन , कानपुर |

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र : ID- 105 C ' विशिष्ट साहित्यकार : प्रेमचन्द '

पुस्तकें - १ ' गोदान ' (उपन्यास) - प्रेमचन्द , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली |

२ प्रेमचन्द - प्रतिनिधि कहानियाँ , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली |

(ईदगाह , पूस की रात , सवा सेर गेहूँ , शतरंज के खिलाड़ी , ठाकुर का कुँआ , सद्गति , कफन)

यूनिट - १ उपन्यास और कहानी-संग्रह में से ससंदर्भ व्याख्या |

यूनिट - २ प्रेमचन्द का जीवन और व्यक्तित्व , युग-प्रवर्तक साहित्यकार - प्रेमचन्द , उपन्यासकार प्रेमचन्द , कहानीकार के रूप में प्रेमचन्द की विशेषताएँ |

यूनिट - ३ ' गोदान ' उपन्यास का तात्त्विक विवेचन , होरी - भारतीय कृषक का प्रतिनिधि , ' गोदान ' में निरूपित कृषक-जीवन की समस्याएँ , ' गोदान ' शीर्षक की सार्थकता |

यूनिट - ४ प्रेमचन्द की उपर्युक्त कहानियों का तात्त्विक विवेचन , प्रेमचन्द की कहानियों का कथ्य-वैविध्य |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ उपर्युक्त उपन्यास और कहानियों में से ससंदर्भ व्याख्या |

(क) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ उपन्यास , कहानी-संग्रह और आत्मकथा में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. प्रेमचन्द और उनका युग - डॉ. रामविलास शर्मा , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली |
२. गोदान - परिशीलन - संपादक- आ. निशांतकेतु , संजय प्रकाशन , दिल्ली |
३. गोदान - संपादक - राजेश्वर गुरु , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली |
४. प्रेमचन्द - संपादक - सत्येन्द्र , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली |
५. प्रेमचन्द : एक साहित्यिक विवेचन - नन्ददुलारे वाजपेयी , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली |

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

HINDI

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

(हिन्दी)

हिन्दी विषय का यू.जी.सी. मॉडल पर

आधारित पाठ्यक्रम

With CBCS / Grading Pattern

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति एवं एक्सटर्नल पद्धति के छात्रों के लिए

प्रथम एवं द्वितीय सत्र

(Regular & External Students)

जून-२०१७ से कार्यान्वित

पृष्ठ संख्या : १ से २५ तक

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 201	सामान्य स्तर : आधुनिक हिन्दी नाटक तथा अन्य विधाएँ (नाटक एवं निबंध)
प्रश्नपत्र - २	CC 202	विशेष स्तर : मध्ययुगीन हिन्दी काव्य संक्षिप्त बिहारी तथा मीरा पदावली
प्रश्नपत्र - ३	CC 203	विशेष स्तर : पाश्चात्य काव्य शास्त्र
प्रश्नपत्र - ४	CE 204	विशेष स्तर : वैकल्पक : विशेष विधा तथा अन्य
	CE 204	(अ) हिन्दी उपन्यास
	CE 204	(ब) दृश्य-श्राव्य माध्यम लेखन
	CE 204	(क) दलित साहित्य
प्रश्नपत्र - ५	IDP 205	सूफी काव्य परंपरा और जायसी का पद्मावत

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 201	सामान्यस्तर:**आधुनिक हिन्दी नाटक तथा अन्य विधाएँ**

१. कोर्ट मार्शल – स्वदेश दीपक, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

२. ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

३. निबंध - अशोक के फूल – हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

१. अशोक के फूल
२. वसंत आ गया है
३. प्रायश्चित की घड़ी
४. घर जोडने की माया
५. सावधानी की आवश्यकता
६. आपने मेरी रचना पढी ?
७. भारतीय संस्कृति की देन

प्रश्नपत्र का स्वरुप तथा अंक विभाजन :

१. कोर्ट मार्शल अथवा कोर्ट मार्शल में से दीर्घोत्तरी प्रश्न - १४ अंक

२. ध्रुवस्वामिनी अथवा ध्रुवस्वामिनी में से दीर्घोत्तरी प्रश्न - १४ अंक

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

३.	अशोक के फूल अथवा अशोक के फूल निबंध संग्रह में वैकल्पिक प्रश्न-		१४ अंक
४.	टिप्पणियाँ - तीनों कृतियों में से वैकल्पिक	-	१४ अंक
५.	अति लघुत्तरी प्रश्न (किन्हीं १२ में से ७)	-	१४ अंक :
		कुल	७० अंक

संदर्भ :

१. स्वदेश दीपक का साहित्य : विविध आयाम, डॉ. सुरेशकुमार – संजय प्रकाशन, नई दिल्ली

२. नाटककार - जयशंकर प्रसाद – संपा - सत्येन्द्र तनेजा राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

३. प्रसाद के नाटक – डॉ. सिद्धनाथकुमार, वाणी प्रकाशन, इलाहाबाद ।

४. हिन्दी निबंध के आधार स्तंभ - प्रा. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।

५. आ. हजारी प्रसार द्विवेदी – सर्जक और चिंतक – डॉ. मृदुला पारिक, पार्श्व प्रकाशन, अहमदावाद ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 202	बिहारी : संक्षिप्त बिहारी – श्री रमाशंकर प्रसाद, इन्डियन प्रेस, प्राइवेट लि. प्रयाग निम्नांकित ५० दोहे १, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, १४, १५, १७, १८, १९, २०, २१, २२, २३, २७, २८, २९, ३२, ३३, ३५, ३६, ३८, ३९, ४०, ४२, ४४, ४६, ५१, ५३, ५४, ५७, ६०, ६२,६४, ६५, ६६, ६७, ७२, ७४, ७६, ७८, ८०, ८१, ९१, ९५ = ५० दोहे ।
- २		मीराबाई की पदावली : संपा. आ. परशुराम चतुर्वेदी, प्रका. हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग, निम्नांकित २५ पद १, ३, ५, ८, ११, १४, १६, १९, २१, २४, २५, २९, ३३, ३७, ३९, ४१, ४४, ४६, ४९, ५२, ५४, ५७, ६०, ६१, ६२ = २५ पद ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन :

ससंदर्भ व्याख्या	७ x २ =	१४ अंक
बिहारी अथवा बिहारी दीर्घोत्तरी प्रश्न		१४ अंक
मीरां अथवा मीरां दीर्घोत्तरी प्रश्न		१४ अंक
बिहारी अथवा मीरां दीर्घोत्तरी प्रश्न		१४ अंक
अति लघुतत्री प्रश्न (१२ में से ७)		१४ अंक

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 202	बिहारी :

१. बिहारी की वाग्विभूति - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र - वाणी प्रकाशन, वाराणसी ।

२. बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ. बच्चन सिंह, प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी ।

३. बिहारी और उनकी सतसई - डॉ. श्री राम वर्मा सजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

४. मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी - डॉ. राम सागर त्रिपाठी अशोक प्रकाशन, दिल्ली ।

५. मीरा की भक्तिभावना - डॉ. धनंजय चौहाण, ज्ञान प्रकाशन, कानपुर ।

६. मध्यकालीन काव्य - एक दृष्टिपात - संपा. डॉ. अर्जुन के तड़वी, रावल प्रकाशन, पाटण ।

७. भक्तिकाल के कालजयी रचनाकार - डॉ. विष्णुदास वैष्णव, कमला प्रकाशन, डीसा ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 203	विशेष स्तर : पाश्चात्य काव्यशास्त्र, सिद्धांत और वाद

(क) प्लेटो – काव्य सिद्धांत ।

अरस्तु : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन ।

लोंजाइनस - उदात की अवधारणा ।

वड्सवर्थ – काव्य भाषा का सिद्धांत ।

कॉलरिज - कल्पना सिद्धांत और ललित कल्पना ।

टी.एस. इलियट – परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिक्ता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य ।

आइ.ए. रिचर्डस : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना ।

(ख) सिद्धांत और वाद –

आभिजात्यवाद, स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, माकेर्सवाद, मनोविश्लेण तथा अस्तित्ववाद ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र का स्वरुप तथा अंक विभावन :

(क)	में से तीन वैकल्पिक प्रश्न	-	१४ अंक के
(ख)	में से दो टिप्पणियाँ (वैकल्पिक)	-	१४ अंक
	अंति प्रश्न अतिलघुत्तरी (१२ में से ७)	-	१४ अंक

संदर्भ ग्रंथ :

१. पाश्चात्य काव्यशास्त्र परंपरा - डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

२. पाश्चात्य साहित्य चिन्तन - निर्मला जैन, कुसुम बांध्या राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

३. पाश्चात्य काव्य शास्त्र - देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली ।

४. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत, केसरी नारायण शुक्ल, नंद किशोर एण्ड संस - वाराणसी ।

५. काव्य में उदात्त तत्त्व - डॉ. नगेन्द्र – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

U-Tube पर ई-पाठशाला के अंतर्गत विद्वानों के व्याख्यान उपलब्ध है ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CE 204	विशेष स्तर : विशेष वैकल्पिक विधा तथा अन्य

(क) हिन्दी उपन्यास :

पाठ्य विषय -

उपन्यास का स्वरुप, हिन्दी उपन्यास का इतिहास, हिन्दी उपन्यास की प्रमुख शैलियां, हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों का वस्तु एवं शिल्पगत वैशिष्ट्य ।

व्याख्या वं विवेचना के लिए दो उपन्यास का अध्ययन अपेक्षित है –

(१) चित्रलेखा - भगवतीचरण वर्मा

(२) जंगलतंत्र - श्रवणकुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन,

प्रश्नपत्र का पारुप :

१.	चित्रलेखा और जंगलतंत्र उपन्यास में संदर्भ (वैकल्पिक)	-	१४ अंक
२.	चित्रलेखा अथवा चित्रलेखा दीर्घोत्तरी प्रश्न	-	१४ अंक
३.	जंगलतंत्र अथवा जंगलतंत्र दीर्घोत्तरी प्रश्न	-	१४ अंक
४.	दोनों कृतियों में से वैकल्पिक टिप्पणी	-	१४ अंक
५.	अति लघुत्तरी	-	१४ अंक

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

अथवा

प्रश्नपत्र - ८ दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन :

प्रस्तावना :

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में इलेक्ट्रोनिक मीड़िया की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो गई है । हिन्दी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक स्तरीय प्रयोग तभी हो सकता है जब इन दृश्य-श्रव्य माध्यमों से संबंधित विद्याओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए । यह पाठयक्रम अत्यंत रोजगारपरक है ।

- ❖ माध्यमोपयोगी लेखन का स्वरूप और प्रमुख प्रकार ।
- ❖ हिन्दी माध्यम लेखन का संक्षिप्त इतिहास ।
- ❖ रेडियो नाटक की प्रविधि ।
- ❖ रंग नाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक का अंतर ।
- ❖ रेडियो नाटक के प्रमुख भेद, रेडियो धारावाहिक, रेडियो रूपांतर, रेडियों फैन्टेसी, संगीत रूपक, आलेख रूपक (डाक्युमेन्ट्री फीचर) ।
- ❖ टी.वी. नाटक की तकनीक । टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी. धारावाहिक में साम्य-वैषम्य । संचार माध्यम के अन्य विविध रूप ।
- ❖ साहित्यिक विद्याओं की दृश्य-श्रव्य रूपांतरण-कला । इलैक्ट्रोनिक मीड़िया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि ।
- ❖ संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा ।
- ❖ विज्ञान फिल्मों की प्रविधि ।
- ❖ संचार माध्यमों की भाषा ।
- ❖ हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

संदर्भ :

१. रंग परंपरा - नैमिचंद्र जैन, प्र. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली – १ ।

२. दृश्य-अदृश्य - नैमिचंद्र जैन, प्र. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली – १ ।

३. आधुनिक विज्ञापन – प्रेमचंद पांतजलि, प्र. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली – १ ।

४. रंगकर्म और मीडिया ¸ डॉ. जयदेव तनेजा, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, १३/४७६१, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली – १ ।

५. पटकथा लेखन : फिचर फिल्म - उमेश राठौर, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

६. हिन्दी नाटक का विकास – डॉ. गोविंद चातक, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

७. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – डॉ. हरिमोहन, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

८. आधुनिक विज्ञापन और जनसंपर्क – डॉ. ताहेश भाटिया, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

९. हिन्दी नाटक आज-कल – डॉ. जयदेव तनेजा, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

१०. संपूर्ण रंग नाटक – डॉ. गोविंद चातक, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

११. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता - डॉ. हरिमोहन, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

१२. विज्ञान संचार – डॉ. मनोज पटैरिया, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

१३. हिन्दी रंगमंच : दशा और दिशा - डॉ. जयदेव तनेजा, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

१४. दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग - ले. कृष्णकुमार रत्तू, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, २७/३, कूचा चेलान, दरियागंज, नई दिल्ली – २ ।

१५. हिन्दी नाट्यकला और रेडियो नाटक – राधेश्याम वाजपेयी, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली – २ ।

१६. भाषायी पत्रकारिता और जनसंचार – विष्णु पंकज, प्र. तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली-२ ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

१७. जनसंचार माध्यम : चुनौतियाँ और दायित्व - संपादन : त्रिभुवन राय, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली – २ ।

१८. संचार माध्यमों के लिए विज्ञान कथा - राजवी रंजन उपाध्याय तथा अरविंद मिश्र, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली – २ ।

१९. संचार क्रांति और हिन्दी पत्रकारिता - अशोककुमार शर्मा, प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली – २ ।

२०. सिनेमा के बारे में जावेद अख्तर/नसरीन मुन्नी कबीर, प्र. रामकमल प्रकाशन, प्रा. ली., १/बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – १ ।

२१. टेलिविजन लेखन - असगर वजाहत / प्रभात रजन, प्र. राधाकृष्ण, प्रा. लि., बी. – १७ जगतपुरी, दिल्ली – ५१ ।

२२. रेडियो नाटक की कला - डॉ. सिद्धनाथ कुमार प्र. तथा प्रका. दिल्ली – ५१ ।

२३. रेडियो वार्ता शिल्प – डॉ. सिद्धनाथ कुमार, प्र. तथा प्रका. दिल्ली – ५१ ।

२४. जनसंचार : विविध आयाम - व्रजमोहन गुप्त, प्र. तथा प्रका., दिल्ली – ५१ ।

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन :

वैकल्पिक आलोचनात्मक प्रश्न – ४	१४ x ४ = ५६
टिप्पणी - तीन में से दो	०७ x २ = १४
	७०

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	CC 204	दलित साहित्य

१. दलित लेखन अवधारणा एवं इतिहास

२. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र

३. छप्पर (उपन्यास) विश्लेषण एवं अध्ययन

ले. जयप्रकाश कर्दम - राहुल प्रकाशन नई दिल्ली ।

४. सलाम (कहानी संग्रह) विश्लेषण एवं अध्ययन : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

पठित कहानियाँ - सलाम, सपना, भय, कहाँ जाए सतीश?, ग्रहण, बिरम की बहु, गोहत्या ।

प्रश्नपत्र का पारुप तथा अंक विभाजन :

प्रश्न	- १	छप्पर उपन्यास में से	१४ अंक
		सलाम कहानी संग्रह में से संदर्भ (वैकल्पिक)	
	- २	उपन्यास और उपन्यास में से वैकल्पिक प्रश्न (दीर्घोत्तरी)	१४ अंक

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

- ३ कहानियों में से वैकल्पिक प्रश्न १४ अंक

- ४ दोनों रचनाओं में से टिप्पणियाँ (विकल्प) १४ अंक

- ५ अति लघुत्तरी प्रश्न (१२ में से ७) १४ अंक

संदर्भ :

१. मोहनदास नैमिषराय के उपन्यासों में विद्रोह – विकास विधाते वाङ्मय बुक्स, अलीगढ ।

२. ओमप्रकाश वाल्मिकी के साहित्य में दलित चेतना - चन्द्रभानु सुरवडे - वाङ्मय बुक्स, अलीगढ ।

३. दलित चेतना केन्द्रित हिन्दी – गुजराती - उपन्यास – डॉ. गिरीशकुमार रोहित - गुजरात दलित साहित्य अकादमी, अहमदाबाद ।

४. हिन्दी दलित एवं आदिवासी साहित्य - अंतरंग पड़ताल – डॉ. धीरजभाई वणकर, ज्ञान प्रकाश कानपुर ।

५. हिन्दी दलित कहानियाँ - आशीषकुमार दीपांकर संघर्ष का मूल स्वर, वाङ्मय बुक्स, अलीगढ ।

६. दलित एवं स्त्री विमर्श सं. डॉ. गोवर्धन बंजारा, डॉ. लवीन्द्रसिंह लबाना, पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद ।

७. दलित साहित्य - प्रकृति और संदर्भ – डॉ. संजय नेवले, गिरीश कासिद-अमन प्रकाशन, कानपुर ।

८. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मिकी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

९. साहित्य विचार – डॉ. अर्जुन के. तडवी - ज्ञान प्रकाशन, कानपुर ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर-II) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१७ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नं.	विषय
प्रश्नपत्र - १	IDP 205	सूफी काव्य परंपरा और जायसी का पद्मावत

- सूकी काव्य परंपरा - मुल्ला दाउद-मंझन, कुतुबन और जायसी
- पद्मावत में सूफी दर्शन
- पद्मावत में लोकसंस्कृति
- पद्मावत में प्रेमनिरुपण
- पद्मावत में महाकाव्यत्व
- पद्मावत में विरहवर्णन
- पद्मावत में पात्र-निरुपण
- पद्मावत में प्रतीकयोजना
- पद्मावत की काव्यकला

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

सूचना : संदर्भ नहीं पूछे जायेंगे ।

- **संदर्भग्रंथ सूची :**

१. मलिक मुहम्मद जायसी : मौलिक चिन्तन एवं अनुसंधान की नयी समीक्षा-कन्हैयासिंह, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली ।

२. पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।

३. जायसी : रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।

४. जायसी की प्रेम साधना - रामचन्द्र बिल्लौरे - भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

HEMCHANDRACHARYA NORTH GUJARAT UNIVERSITY, PATAN

M.A. Hindi

(Subject Re;eted) Inter Diciplinary Paper - (205)

Syllabus/ Scheme, Semester - II

W.E.F. January - 2015

(सूकी काव्य परंपरा और जायसी का पद्मावत)

---

* सूकी काव्य परंपरा - मुल्ला दाउद-मंझन, कुतुबन और जायसी
* पद्मावत में सूफी दर्शन
* पद्मावत में लोकसंस्कृति
* पद्मावत में प्रेमनिरुपण
* पद्मावत में महाकाव्यत्व
* पद्मावत में विरहवर्णन
* पद्मावत में पात्र-निरुपण
* पद्मावत में प्रतीकयोजना
* पद्मावत की काव्यकला

सूचना : संदर्भ नहीं पूछे जायेंगे।

- **संदर्भग्रंथ सूची :**

(१) मलिक मुहम्मद जायसी : मौलिक चिन्तन एवं अनुसंधान की नयी समीक्षा-कन्हैयासिंह, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नईदिल्ली।

(२) पद्मावत में काव्य, संस्कृति और दर्शन-डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।

(३) जायसी : रामपूजन तिवारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नईदिल्ली।

(४) जायसी की प्रेम साधना - रामचन्द्र बिल्लौरे-भारतीय ग्रंथ निकेतन, नईदिल्ली।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

पाठ्यक्रम के हेतु

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की निर्देशिका के अनुसार हिन्दी अभ्यास समिति ने एम. ए. सेमेस्टर I से IV का पाठ्यक्रम तैयार किया है | इस पाठ्यक्रम के हेतु निम्नांकित हैं -

- भाषा-साहित्य के छात्र विभिन्न साहित्यिक विधाओं के स्वरूप और तत्त्वों से अवगत हो |
- भाषा-साहित्य के छात्र उपन्यास , कहानी , नाटक , एकांकी , निबंध , आत्मकथा , जीवनी , संस्मरण , रेखाचित्र , महाकाव्य , खंडकाव्य , गीतिनाट्य आदि साहित्यिक विधाओं के उद्भव और विकास से परिचित हो |
- विभिन्न साहित्यिक विधाओं में निरूपित परिवेश , युगीन समस्याओं , समाज-जीवन , रीति-रिवाज , विभिन्न त्यौहार , संस्कृति , लोकबोली , लोकगीतों आदि से भाषा-साहित्य के छात्र रूबरू हो |
- भाषा-साहित्य के छात्र कवियों-लेखकों के विचार-जगत और कल्पना-जगत से परिचित हो |
- विभिन्न साहित्यिक रचनाओं के काव्य-सौंदर्य और भाव-सौंदर्य से भाषा-साहित्य के छात्र परिचित हो |
- भाषा-साहित्य के छात्र विभिन्न कृतियों में निरूपित भाषा के विविध रूपों , मुहावरों , कहावतों , विशिष्ट उक्तियों , अलंकारों , छंदों , उपमानों , शब्द-वैविध्य आदि से अवगत हो |
- भाषा-साहित्य के छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि का विकास हो |
- छात्रों का साहित्य के प्रति लगाव बढ़े और अन्य साहित्यिक कृतियों को पढ़ने की प्रेरणा मिले |

I/C Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र १ से ४ (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -101	आधुनिक हिन्दी कथा-साहित्य
प्रश्नपत्र -२	CC -102	मध्ययुगीन हिन्दी काव्य
प्रश्नपत्र -३	CC -103	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त
प्रश्नपत्र -४	CC -104	नाटककार मोहन राकेश
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID - 105 A	राजभाषा प्रशिक्षण (वैकल्पिक)
	ID - 105 B	हिन्दी साहित्य और सिनेमा-जगत (वैकल्पिक)
	ID - 105 C	विशिष्ट साहित्यकार : प्रेमचन्द (वैकल्पिक)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -201	आधुनिक हिन्दी नाटक तथा अन्य विधाएँ
प्रश्नपत्र -२	CC -202	मध्ययुगीन हिन्दी काव्य
प्रश्नपत्र -३	CC -203	पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धान्त और वाद
प्रश्नपत्र -४	CC -204	हिन्दी उपन्यास
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID- 205 A	सूफी काव्य परंपरा और जायसी का 'पद्मावत ' (वैकल्पिक)
	ID- 205 B	हिन्दी दलित साहित्य (वैकल्पिक)
	ID- 205 C	हिन्दी व्यंग्य साहित्य (वैकल्पिक)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -301	आधुनिक हिन्दी काव्य - I
प्रश्नपत्र -२	CC -302	सैद्धान्तिक भाषाविज्ञान
प्रश्नपत्र -३	CC -303	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - I
प्रश्नपत्र -४	CC -304	अनुवादविज्ञान
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID - 305 A	हिन्दी लेखन कौशल (वैकल्पिक)
	ID - 305 B	जनसंचार प्रक्रिया और हिन्दी (वैकल्पिक)
	ID - 305 C	लोक साहित्य (वैकल्पिक)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -401	आधुनिक हिन्दी काव्य - II
प्रश्नपत्र -२	CC -402	हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास
प्रश्नपत्र -३	CC -403	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - II
प्रश्नपत्र -४	CC -404	शोध प्रविधि
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID- 405 A	कोश विज्ञान (वैकल्पिक)
	ID- 405 B	हिन्दी पत्रकारिता (वैकल्पिक)
	ID- 405 C	भारतीय साहित्य (वैकल्पिक)

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -201 ' आधुनिक हिन्दी नाटक तथा अन्य विधाएँ '

पुस्तकें : १. ' कोर्ट मार्शल '(नाटक) - स्वदेश दीपक , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली |

२. ' ध्रुवस्वामिनी ' (नाटक) - जयशंकर प्रसाद , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली |

३. ' अशोक के फूल ' (निबंध) - आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी , लोकभारती प्रकाशन दिल्ली |

यूनिट - १. उपर्युक्त नाटकों और निबंध-संग्रह में से ससंदर्भ व्याख्या |

यूनिट - २. ' कोर्ट मार्शल ' नाटक का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , रंगमंचीयता , भाषा-शैली | शीर्षक की सार्थकता , प्रमुख चरित्र - कर्नल सूरतसिंह ,कैप्टन बिकासराय , रामचन्द्र गौण पात्र - मेजर अजयपुरी , सूबेदार बलवानसिंह , ब्रजेन्द्र रावत आदि |

यूनिट - ३. ' ध्रुवस्वामिनी ' नाटक का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , रंगमंचीयता , भाषा-शैली | शीर्षक की सार्थकता , प्रमुख चरित्र - ध्रुवस्वामिनी , चन्द्रगुप्त ; गौण पात्र - रामगुप्त , शकराज , शिखरस्वामी , मन्दाकिनी , पुरोहित आदि |

यूनिट - ४. ' अशोक के फूल ' निबंध-संग्रह के निबंधों के विचार-जगत और भाव-सृष्टि का अनुशीलन , आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी की निबंधकार के रूप में विशेषताएँ |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

❖ **प्रश्नपत्र का प्रारूप :**

प्रश्न - १ ससंदर्भ व्याख्या (उपर्युक्त उपन्यास , कहानी-संग्रह और आत्मकथा में से)

(ख) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ उपर्युक्त नाटकों और निबंध-संग्रह में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. स्वदेश दीपक का साहित्य : विविध आयाम - डॉ. सुरेशकुमार , संजय प्रकाशन , नई दिल्ली |
२. नाटककार स्वदेश दीपक - श्वेता कुमारी , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
३. नाटककार जयशंकर प्रसाद - संपादक : सत्येन्द्र तनेजा , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली |
४. प्रसाद के नाटक - डॉ. सिद्धनाथकुमार , वाणी प्रकाशन , इलाहाबाद |
५. हिन्दी निबंध के आधार स्तम्भ - प्रा. हरिमोहन , तक्षशिला प्रकाशन , दिल्ली |
६. आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी - सर्जक और चिंतक - डॉ. मृदुला पारिक , पार्श्व प्रकाशन , अहमदाबाद |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -202 ' मध्ययुगीन हिन्दी काव्य '

पुस्तकें : १. 'संक्षिप्त बिहारी ' - संपादक : श्री रमाशंकर प्रसाद , इंडियन प्रेस प्रा. लिमिटेड , दिल्ली | निम्नांकित दोहे पाठ्यक्रम में हैं -

१ से १० , १४, १५, १७ से २३ , २७, २८, २९, ३२, ३३, ३५, ३६, ३८, ३९, ४० , ४२, ४४, ४६, ५१, ५३, ५४, ५७, ६०, ६२, ६४, ६५, ६६, ६७, ७२, ७४, ७६, ७८ , ८०, ८१, ९१, ९५ = ५० दोहे |

२. ' मीराबाई की पदावली ' संपादक - आ. परशुराम चतुर्वेदी ,हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग | निम्नांकित पद पाठ्यक्रम में हैं -

१, ३, ५, ८, ११, १४, १६, १९, २१, २४, २५, २९, ३३, ३७, ३९, ४१, ४४, ४६, ४९ , ५२, ५४, ५७, ६०, ६१, ६२ = २५ पद |

यूनिट - १. उपर्युक्त दोहों और पदों में से ससंदर्भ व्याख्या |

यूनिट - २. रीतिकाल और बिहारी , बिहारी का श्रृंगार-वर्णन , बिहारी की बहुज्ञता , बिहारी की भक्ति-भावना |

यूनिट - ३. भक्तिकाल और मीराबाई , मीराबाई की भक्ति-भावना , मीराबाई की विरहानुभूति |

यूनिट - ४. बिहारी के दोहे , बिहारी की भाषा , मीराबाई के पदों की भाषा , मध्ययुगीन समाज और मीराबाई का जीवन-संघर्ष |

❖ **प्रश्नपत्र का प्रारूप :**

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - १ बिहारी के दोहों और मीराबाई के पदों में से ससंदर्भ व्याख्या

(क) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ यूनिट २, ३, ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. बिहारी की वाग्विभूति - विश्वनाथ प्रसाद मिश्र , वाणी प्रकाशन , वाराणसी |
२. बिहारी का नया मूल्यांकन - डॉ. बच्चनसिंह , प्रचारक पुस्तकालय , वाराणसी |
३. बिहारी और उनकी सतसई - डॉ. श्रीराम वर्मा , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली |
४. मुक्तक काव्य-परंपरा और बिहारी - डॉ. रामसागर त्रिपाठी , अशोक प्रकाशन, दिल्ली |
५. मीरा की भक्ति-भावना - डॉ. धनंजय चौहाण , ज्ञान प्रकाशन , कानपुर |
६. मध्यकालीन काव्य - एक दृष्टिपात - संपादक : डॉ. अर्जुन तड़वी , रावल प्रकाशन , पाटण |
७. भक्तिकाल के कालजयी रचनाकार - डॉ. विष्णुदास वैष्णव , कमला प्रकाशन ,ड़ीसा |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -203 ' पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धान्त और वाद '

यूनिट - १. प्लेटो के काव्य-सिद्धान्त , अरस्तू का अनुकरण और त्रासदी विवेचन , लोंजाइनस - उदात्त की अवधारणा |

यूनिट - २. विलियम वर्ड्सवर्थ का काव्य-भाषा सिद्धान्त , सैमुअल टेलर कॉलरिज का कल्पना सिद्धान्त और ललित कल्पना |

यूनिट - ३. टी. एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा , निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त , वस्तुनिष्ठ समीकरण , संवेदनशीलता का असाहचर्य |
आई. ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ , संवेगों का संतुलन , व्यावहारिक आलोचना |

यूनिट - ४. सिद्धान्त और वाद : आभिजात्यवाद , स्वच्छंदतावाद , अभिव्यंजनावाद , मार्क्सवाद , मनोविश्लेषणवाद और अस्तित्ववाद |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

संदर्भ-ग्रंथ :

८. पाश्चात्य काव्यशास्त्र परम्परा - डॉ. नगेन्द्र , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली |

९. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन , कुसुम बांध्या , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली |

१०. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - देवेन्द्रनाथ शर्मा , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली |

११. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धान्त -केसरीनारायण शुक्ल , नंदकिशोर एण्ड सन्स ,वाराणसी |

१२. काव्य में उदात्त तत्त्व - डॉ. नगेन्द्र , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली |

U-Tube पर ई-पाठशाला के अन्तर्गत विद्वानों के व्याख्यान उपलब्ध हैं |

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -204 ' हिन्दी उपन्यास '

पुस्तकें : १. ' चित्रलेखा ' - भगवतीचरण वर्मा , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली

२. ' जंगलतंत्र ' - श्रवणकुमार गोस्वामी , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली |

यूनिट - १. उपर्युक्त उपन्यासों में से ससंदर्भ व्याख्या |

यूनिट - २. उपन्यास का स्वरूप , उपन्यास का उद्भव और विकास ,हिन्दी उपन्यास के प्रमुख प्रकार - पौराणिक , ऐतिहासिक , राजनीतिक , सामाजिक , आँचलिक , मनोवैज्ञानिक | हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों का वस्तु और शिल्पगत वैशिष्ठ्य |

यूनिट - ३. ' चित्रलेखा ' उपन्यास का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , देशकाल और वातावरण , भाषा-शैली , उद्देश्य | शीर्षक की सार्थकता , उपन्यास में निरूपित युगबोध या समस्याएँ |

यूनिट - ४. ' जंगलतंत्र ' उपन्यास का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , देशकाल और वातावरण , भाषा-शैली , उद्देश्य | शीर्षक की सार्थकता , उपन्यास में निरूपित युगबोध या समस्याएँ |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ उपर्युक्त उपन्यासों में से ससंदर्भ व्याख्या -

(क) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) | अंक : १४

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ यूनिट २ , ३ , ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. भगवतीचरण वर्मा का कथा-साहित्य - डॉ. दत्तात्रेय गिरि ,विद्या प्रकाशन ,कानपुर |
२. हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास - सुरेश सिन्हा , अशोक प्रकाशन , दिल्ली |
३. उपन्यास - स्थिति और गति - डॉ. चन्द्रकान्त बांदिवडेकर , पूर्वोदय प्रकाशन , नई दिल्ली |
४. साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों में राजनीतिक चेतना - पुष्पेंद्र दुबे
५. बड़े उपन्यास बड़ी बात - डॉ. सोमाभाई पटेल , रावल प्रकाशन , पाटण |

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र : ID- 205 A सूफी काव्य परंपरा और जायसी का 'पद्मावत '

यूनिट - १ सूफी काव्य परंपरा : मुल्ला दाऊद , मंझन , कुतुबन और जायसी | ' पद्मावत ' में सूफी दर्शन |

यूनिट - २ ' पद्मावत ' में लोक संस्कृति , ' पद्मावत ' में प्रेम-निरूपण |

यूनिट - ३ ' पद्मावत ' का महाकाव्यत्व , 'पद्मावत ' में विरह-वर्णन ,बारह-मासा वर्णन |

यूनिट - ४ ' पद्मावत ' में पात्र-निरूपण , ' पद्मावत ' में प्रतीक-योजना , ' पद्मावत ' की काव्य-कला |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

१. मलिक मुहम्मद जायसी : मौलिक चिंतन एवं अनुसंधान की नयी समीक्षा - कन्हैयासिंह , भारतीय ग्रंथ निकेतन , नई दिल्ली |
२. ' पद्मावत ' में काव्य , संस्कृति और दर्शन - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना , विनोद पुस्तक मंदिर , आगरा |
३. जायसी की प्रेम-साधना - रामचन्द्र बिल्लोरे , भारतीय ग्रंथ निकेतन , नई दिल्ली |
४. ' पद्मावत ' में जायसी की लोक-दृष्टि - डॉ. चंद्रलाल वरियल ,विद्या प्रकाशन ,कानपुर |

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र : ID- 205 B हिन्दी दलित साहित्य

पुस्तकें : १ ' छप्पर ' (उपन्यास) - जयप्रकाश कर्दम , राहुल प्रकाशन , नई दिल्ली |

२ ' सलाम ' (कहानी-संग्रह) - ओमप्रकाश वाल्मीकि , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली |

यूनिट - १ दलित साहित्य : अवधारणा एवं इतिहास , दलित साहित्य का सौंदर्य-शास्त्र |

यूनिट - २ ' छप्पर ' उपन्यास का तात्त्विक विवेचन :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , देशकाल और वातावरण , भाषा-शैली , उद्देश्य | शीर्षक की सार्थकता , उपन्यास में निरूपित युगबोध या समस्याएँ |

यूनिट - ३ ' सलाम ' कहानी-संग्रह में संकलित ओमप्रकाश वाल्मीकि की कहानियों का तात्त्विक विवेचन तथा ओमप्रकाश वाल्मीकि की कहानीकार के रूप में विशेषताएँ |

यूनिट - ४ उपन्यासकार जयप्रकाश कर्दम का जीवन और संघर्ष , दलितों का शोषण और जातिगत भेदभाव की समस्याएँ |

कहानीकार ओमप्रकाश वाल्मीकि का जीवन और संघर्ष , दलितों का शोषण और जातिगत भेदभाव की समस्याएँ |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - १ उपर्युक्त उपन्यास और कहानी-संग्रह में से ससंदर्भ व्याख्या :

(क) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ यूनिट २, ३ , ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. दलित साहित्य का सौंदर्य-शास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मीकि , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली |
२. ओमप्रकाश वाल्मीकि के साहित्य में दलित चेतना -चन्द्रभानु सुरवड़े , वाङ्गमय बुक्स , अलीगढ़ |
३. हिन्दी दलित एवं आदिवासी साहित्य - डॉ. धीरज वणकर , ज्ञान प्रकाशन , कानपुर |
४. दलित-चेतना केन्द्रित हिन्दी-गुजराती उपन्यास - डॉ. गिरीशकुमार रोहित , गुजरात दलित साहित्य अकादमी , अहमदाबाद |
५. साहित्य विचार - डॉ. अर्जुन के. तडवी , ज्ञान प्रकाशन , कानपुर |
६. जयप्रकाश कर्दम कृत ' छप्पर ' एक अनुशीलन - डॉ. पूनम गायसमुद्रे , विद्या प्रकाशन , कानपुर |

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

द्वितीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र : ID- 205 C हिन्दी व्यंग्य साहित्य

पुस्तकें : १ हरिशंकर परसाई : प्रतिनिधि व्यंग्य - राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली |

पाठ्य-रचनाएँ : घायल बसन्त , पहिला सफ़ेद बाल , बेईमानी की परत , पगडंडियों का जमाना , विकलांग श्रद्धा का दौर , प्राइवेट कॉलेज का घोषणा-पत्र , वैष्णव की फिसलन , दो नाकवाले लोग , ठिठुरता हुआ गणतन्त्र , इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर |

२ दो व्यंग्य नाटक : एक था गधा उर्फ अलादाद , अंधों का हाथी - शरद जोशी , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली |

यूनिट - १ व्यंग्य का अर्थ और स्वरूप , व्यंग्य विधा है या शैली , स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य में व्यंग्य-लेखन परंपरा |

यूनिट - २ हिन्दी के प्रमुख व्यंग्यकारों का संक्षिप्त परिचय - १. हरिशंकर परसाई २. शरद जोशी ३. रवीन्द्रनाथ त्यागी ४. नरेन्द्र कोहली ५. श्रीलाल शुक्ल ६. लतीफ घोंघी |

यूनिट - ३ हरिशंकर परसाई की पाठ्य व्यंग्य-रचनाओं का अनुशीलन , हरिशंकर परसाई की व्यंग्य-चेतना , हरिशंकर परसाई की व्यंग्य-भाषा |

यूनिट - ४ दो व्यंग्य नाटकों का समीक्षात्मक अध्ययन , दो व्यंग्य नाटकों में निहित व्यंग्य-निरूपण , शरद जोशी की व्यंग्य-चेतना , शरद जोशी की व्यंग्य-भाषा |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ उपर्युक्त व्यंग्य-संग्रह और व्यंग्य-नाटकों में से ससंदर्भ व्याख्या

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

(क) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ यूनिट २, ३ , ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी ,जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. हिन्दी व्यंग्य एवं व्यंग्यकार - डॉ. बापूराव देसाई , विनय प्रकाशन , कानपुर |
२. व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई - डॉ. भरत ए. पटेल , चिन्तन प्रकाशन , कानपुर |
३. हिन्दी व्यंग्य-लेखन में शरद जोशी का योगदान - डॉ. शिवशंकर यादव , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
४. हिन्दी के प्रमुख व्यंग्यकार - डॉ. स्मिता चिपलूणकर , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
५. शरद जोशी के व्यंग्य-नाटक - सुश्री अनुपमा दी भोरी , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
६. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी रंगमंच - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा , अतुल प्रकाशन , कानपुर |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

HINDI

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

(हिन्दी)

हिन्दी विषय का यू.जी.सी. मॉडल पर आधारित पाठ्यक्रम

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सत्र

(जून - २०११ से कार्यान्वित)

(पृष्ठ संख्या - १ से ६१ तक)

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष : २०११ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिंदी) प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र	विषय	कोड नं.	
प्रश्नपत्र-१	सामान्य स्तर : आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी, जीवनी)	HC101	
प्रश्नपत्र-२	विशेष स्तर : प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (तुलसीदास-रामचरित मानस, अयोध्याकांड, सूरदास-भ्रमरगीत सार)	HC102	
प्रश्नपत्र-३	विशेष स्तर : भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत	HC103	
प्रश्नपत्र-४	विशेष स्तर : वैकल्पिक विशेष साहित्यकार		
	अ) कबीर	HEC104	
	आ) प्रेमचंद - गोदान, प्रेमचंद - प्रतिनिधि कहानियाँ	HEC105	
	इ) नाटककार मोहन राकेश	HEC106	
प्रश्नपत्र-५	इन्टर डीसीप्लीनरी कोर्स		
	अ) Health and Wellness	HIDC107	
	आ) Rural Development in India	HIDC108	

एम.ए. (हिंदी) द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र	विषय	कोड नं.	
प्रश्नपत्र-६	सामान्य स्तर : आधुनिक हिंदी नाटक तथा अन्य विद्याएँ (नाटक, निबंध)	HC201	
प्रश्नपत्र-७	विशेष स्तर : मध्ययुगीन हिंदी काव्य संक्षिप्त बिहारी तथा मीरा पदावली	HC202	
प्रश्नपत्र-८	विशेष स्तर : पाश्चात्य काव्यशास्त्र, सिद्धांत और वाद	HC203	
प्रश्नपत्र-९	विशेष स्तर : वैकल्पिक : विशेष विधा तथा अन्य		
	क) हिंदी उपन्यास	HEC204	
	ख) दृश्य-श्राव्य-माध्यम लेखन	HEC205	
	ग) दलित साहित्य	HEC206	
प्रश्नपत्र-१०	इन्टर डीसीप्लीनरी कोर्स		
	अ) Information Technology and Data Analysis	HIDC207	
	आ) Self Awarness and Personality	HIDC208	

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष : २०१२ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र	विषय	कोड नं.	
प्रश्नपत्र-११	सामान्यस्तर : आधुनिक काव्य - I महाकाव्य, दीर्घकविता, काव्यनाटक	HC301	
प्रश्नपत्र-१२	विशेषस्तर : सैद्धांतिक भाषाविज्ञान	HC302	
प्रश्नपत्र-१३	विशेषस्तर : आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	HC303	
प्रश्नपत्र-१४	विशेषस्तर : वैकल्पिक		
	(अ) अनुवाद विज्ञान	HEC304	
	(आ) आधुनिक हिन्दी आलोचना	HEC305	
	(इ) जनसंचार माध्यम और हिन्दी	HEC306	
प्रश्नपत्र-१५	इन्टर डिसीप्लीनरी कोर्स		
	(अ) Information Technology and Data Analysis	HIDC307	
	आ) Communication Skills	HIDC308	

एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र	विषय	कोड नं.	
प्रश्नपत्र-१६	सामान्यस्तर : आधुनिक काव्य - II गीतिकाव्य, विशेषकवि, नईकविता	HC401	
प्रश्नपत्र-१७	विशेषस्तर : हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकास	HC402	
प्रश्नपत्र-१८	विशेषस्तर : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास	HC403	
प्रश्नपत्र-१९	विशेषस्तर : वैकल्पिक		
	भारतीय साहित्य	HEC404	
	लोकसाहित्य	HEC405	
	हिन्दी पत्रकारिता	HEC406	
प्रश्नपत्र-२०	इन्टर डिसीप्लीनरी कोर्स		
	(अ) Information Technology and Data Analysis	HIDC407	
	आ) Social Problems	HIDC408	

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र - शैक्षणिक वर्ष - २०११ से लागू

प्रश्नपत्र-११ सामान्य स्तर : आधुनिक काव्य-I

(महाकाव्य, दीर्घकविता, काव्यनाटक)

(१) **महाकाव्य** : साकेत - मैथिली शरण गुप्त साहित्य सदन, झाँसी, सन्दर्भ के लिए नवम् सर्ग,

(२) **दीर्घकविता** : तुलसीदास - सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला, राजकमल प्रका., नई दिल्ली

(३) **काव्यनाटक** : अन्धायुग - श्री धर्मवीर भारती, किताब महल, इलाहाबाद

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. साकेत : एक अध्ययन - डॉ. नगेन्द्र
प्रका. साहित्य रत्नाकर, आगर।

२. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और कृतित्व - डॉ. दीन बहादुर पाठक
प्रका. विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।

३. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और अभिव्यक्ति - डॉ. सी.एल. प्रभात
प्रका. बम्बई हिन्दी विद्यापीठ, बम्बई।

४. तुलसी - संपा. उदयभानुसिंह
प्रका. राधाकृष्ण प्रकाशन, नईदिल्ली।

५. विश्वकवि तुलसी और उनका काव्य - रामप्रसाद मिश्र
प्रका. सूर्यप्रकाशन, नई सडक, दिल्ली।

६. तुलसी चिन्तन और कला - इन्द्रनाथ मदान
प्रका. प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

७. अन्धायुग रचनाधर्मिता के विविध आयाम - डॉ. मायामलिक

८. डॉ. धर्मवीर भारती का गद्य साहित्य - डॉ. साधना भंडारी

९. धर्मवीर भारती : युग चेतना और अभिव्यक्ति - डॉ. सरिता शुक्ल

१०. धर्मवीर भारती और उनका अन्धायुग - साधना भंडारी

११. अन्धायुग : एक सृजनात्मक उपलब्धि - डॉ. सुरेश गौतम

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

सन्दर्भ व्याख्या का प्रश्न अनिवार्य होगा

प्रश्न-१ ससंदर्भ व्याख्या -		६ × ३ = १८
प्रश्न-२ (क) साकेत अथवा साकेत	(दीर्घोत्तरी प्रश्न)	१४
प्रश्न-३ (ख) तुलसीदास अथवा तुलसीदास	(दीर्घोत्तरी प्रश्न)	१४
प्रश्न-४ (ग) अन्धायुग अथवा अन्धायुग	(दीर्घोत्तरी प्रश्न)	१४
प्रश्न-५ (च) अति लघुत्तरी प्रश्न	(तीनों रचनाओं में से)	१० × १ = १०
		७०

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र

प्रश्न पत्र १२ : विशेष स्तर - सैद्धांतिक भाषाविज्ञान

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा के अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार।

२. भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति। भाषा विज्ञान के अध्ययन की दिशाएँ - वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

३. **स्वन विज्ञान** : स्वन विज्ञान का स्वरूप, स्वन विज्ञान की शाखाएँ - औच्चारिकी तथा श्रोतिकी, वाग्वयव तथा उनके कार्य, स्वन की परिभाषा, स्वन का वर्गीकरण, स्वर वर्गीकरण - जिव्हा के व्यवहृत भाग, जिव्हा की उँचाई तथा होठों की आकृति के आधार पर मानस्वर, संयुक्त/स्वर/व्यंजन वर्गीकरण - स्थान, प्रयत्न और घोषत्व के आधार पर श्रुति, व्यंजन गुच्छ। स्वन गुण - मात्रा, बलाघात, सुर, विवृत्ति। स्वनिम की अवधारणा

४. **रूप विज्ञान** : रूप विज्ञान की परिभाषा और स्वरूप, रूपिम का स्वरूप, रूपिम के भेद - संरचना की दृष्टि से - मुक्त, बद्ध, संपृक्त रूप। अर्थ की दृष्टि से - (अर्थतत्व) संबंधदर्शी (संबंधतत्व) खण्डात्मकता की दृष्टि से खण्डात्मक और अधिखण्डात्मक, संबंध तत्व के भेद, रूप स्वनिम विज्ञान।

५. **वाक्य विज्ञान** : वाक्य की परिभाषा और स्वरूप, अभिहितान्वयवाद अन्विताभिधानवाद। वाक्य की आवश्यकताएँ - योग्यता, आकांक्षा, आसक्ति, वाक्य विश्लेषण - उद्देश्य, विधेय, निकटस्थ अवयव। वाक्य के भेद - रचना, क्रिया और अर्थ के आधार पर।

७. **अर्थ विज्ञान** : अर्थ विज्ञान की परिभाषा और स्वरूप, शब्द और अर्थ का संबंध। अर्थ बोध के साधन - पर्यायता, विलोमता, अनेकार्थतता। अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. भाषाविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी

२. भाषाविज्ञान : डॉ. राजमल बोरा

३. भाषाविज्ञान की भूमिका - सैद्धांतिक विवेचन - डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा

४. भाषाविज्ञान के सिद्धांत - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

५. भाषाविज्ञान : सैद्धांतिक विवेचन - रवीन्द्र श्रीवास्तव

६. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

७. भाषाविज्ञान और भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

८. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. केशवदेव रूपाली

९. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. विश्वदेव त्रिगुणायत

१०. भाषाविज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा

११. सामान्य भाषाविज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना

१२. आधुनिक भाषाविज्ञान - डॉ. कृपाशंकर सिंह

१३. आधुनिक भाषाविज्ञान के सिद्धांत - डॉ. रामकिशोर शर्मा

१४. भाषा और भाषाविज्ञान - डॉ. तेजपाल चौधरी

१५. भाषा - ब्लूमफील्ड (अनुवादक - डॉ. विश्वनाथ प्रसाद)

१६. हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी

१७. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास - डॉ. उदयनारायण तिवारी

१८. हिंदी का उद्‌भव, विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी

१९. हिंदी की ग्रामीण बोलियाँ - डॉ. हरदेव बाहरी

२०. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप - डॉ. अंबाप्रसाद 'सुमन'

२१. हिंदी भाषा - कैलाशचंद्र भाटिया

२२. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी

२३. भारतीय लिपियों की कहानी - गुणाकर मुले

२४. नागरी लिपि रूप और सुधार - मोहन ब्रिज

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

२५. नागरी लिपि का उद्‌भव और विकास - डॉ. ओमप्रकाश भाटिया

२६. नागरी की लिपि संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी

२७. भारत की भाषाएँ - डॉ. राजमल बोरा

२८. हिंदी भाषा का विकासात्मक इतिहास - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

२९. हिंदी भाषा का इतिहास और स्वरूप - डॉ. राममूर्ति शर्मा

३०. आधुनिक भाषाविज्ञान - डॉ. केशवदत्त रुपाली

३१. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा की भूमिका - त्रिलोचन पांडेय

३२. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास - डॉ. देवेन्द्र प्रताप सिंह

३३. भाषाविज्ञान और हिंदी - डॉ. रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'

३४. भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा - डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री

३५. आधुनिक भाषाविज्ञान - डॉ.राजमणि शर्मा

३६. भाषाविज्ञान प्रवेश और हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी

३७. अभिनव भाषाविज्ञान - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

३८. आधुनिक भाषाविज्ञान - कृपाशंकर सिंह/चतुर्भुज सहाय

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

प्रश्न-१ ईकाई - १-२			१४
प्रश्न-२ ईकाई - ३-४			१४
प्रश्न-३ ईकाई - ५-६			१४
प्रश्न-४ ईकाई - १-६ टिप्पणी	१ अथवा १		
	२ अथवा २		
	३ अथवा ३	६ × ३ =	१८
प्रश्न-५ ईकाई - अति लघुत्तरी प्रश्न	-	१ × १० =	१०
			७०

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र

प्रश्न पत्र १३ : विशेष स्तर - आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

(आधुनिककाल १९४७ तक)

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

हिंदी साहित्य के इतिहास की पृष्ठभूमि :

१. हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुर्नलेखन की समस्याएँ।

२. **स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ :**
(क) नयी कविता, (ख) अकविता, (ग) प्रतिबद्ध कविता, (च) समकालीन हिंदी कविता

३. **स्वातंत्र्योत्तर हिंदी एकांकी, नाटक :**

(क) प्रयोगशील नाटक : पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, प्रयोगशीलता का उन्मेष, कथ्य के संदर्भ में, शिक्षा के संदर्भ में, मंच के स्तर पर, भाषा के स्तर पर, प्रमुख प्रयोगशील नाटककार एवं नाटक, शक्ति, सीमा एवं संभावनाएँ।

(ख) गीतिनाट्य : पृष्ठभूमि, गीतिनाट्य का वैशिष्ट्य, नाटक और गीतिनाट्य, स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गीतिनाट्य : एक सर्वेक्षण, प्रमुख हिन्दी गीतिनाट्य, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ।

(ग) नुक्कड नाटक : उद्‌भव एवं विकास, सामाजिक आंदोलन और नुक्कड नाटक, नुक्कड नाटक और मंच, नुक्कड नाटक और दर्शक, हिन्दी में नुक्कड नाटक आन्दोलन, विशेषताएँ, शक्ति, सीमा एवं संभावनाएँ।

४. **आधुनिककाल - पूर्वपीठिका :**

(क) आधुनिककाल : नामकरण

(ख) आधुनिककाल : परिस्थितियाँ

(१) राजनीतिक (२) आर्थिक (३) शिक्षा का पश्चिमीकरण
(४) यातायात (५) प्रेसजनमत (६) भारतीय नवजागरण

(ग) आधुनिकता का स्वरूप

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

५. **आधुनिककालीन साहित्य का विकासात्मक परिचय :**

इकाई-२ - कविता

इकाई-३ - उपन्यास, कहानी

इकाई-४ - नाटक, एकांकी

इकाई-५ - आलोचना, निबन्ध

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. हिंदी साहित्य का इतिहास - आ. रामचंद्र शुक्त

२. हिंदी साहित्य का इतिहास - सपां. डॉ. नगेंद्र

३. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

४. हिंदी साहितय का इतिहास - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

५. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय

६. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. श्यामचंद्र कपूर (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)

७. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

८. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ - डॉ. गोविंदराम शर्मा

९. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. जयकिशनप्रसाद खंडेलवाल

१०. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास - बाबू गुलाबराय

११. आधुनिक साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह

१२. हिंदी साहित्य की भूमिका - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

१३. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा

१४. हिंदी गद्य : उद्‌भव और विकास - डॉ. उमेश शास्त्री

१५. हिंदी साहित्य : एक परिचय - डॉ. त्रिभुवन सिंह

१६. हिंदी साहित्य और संवेदना का इतिहास - डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी

१७. हिंदी रीति साहित्य - डॉ. भगीरथ मिश्र

१८. रीतियुगीन काव्य - डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा

१९. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेन्द्र

२०. हिंदी रीतिकालीन पर काव्य संस्कृत काव्य का प्रभाव - डॉ. दयानंद शर्मा

२१. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल - श्री नारायण चतुर्वेदी

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

२२. हिंदी साहित्य - युग और प्रवृत्तियाँ - डॉ. शिवकुमार शर्मा

२३. हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास - डॉ. सभापति मिश्र

२४. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. माधव सोनटक्के

२५. हिंदी साहित्य का अद्यतन इतिहास - डॉ. मोहन अवस्थी

२६. हिंदी साहित्य का सही इतिहास - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे/डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे

२७. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास - डॉ. सुमन राजे

२८. हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ - डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया

२९. हिंदी साहित्य का इतिहास : नए विचार नई दिशाएँ - डॉ. सुरेशकुमार जैन

३०. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. सज्जनराम केणी

३१. हिंदी साहित्य - डॉ. धर्मवीर भारती

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे	**कुल अंक - ७०**	
प्रश्न-१ ईकाई - १		१२
प्रश्न-२ ईकाई - २		१२
प्रश्न-३ ईकाई - ३		१२
प्रश्न-४ ईकाई - ४		१२
प्रश्न-५ ईकाई - ५		१२
प्रश्न-६ ईकाई - ६ अति लघुत्तरी प्रश्न	१ × १० =	१०
		७०

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र

प्रश्न पत्र १४ : विशेष स्तर - वैकल्पिक

(अ) अनुवादविज्ञान

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. अनुवाद का स्वरुप : परिभाषा, महत्त्व एवं व्याप्ति, अनुवाद-कला या विज्ञान।

२. अनुवाद प्रक्रिया : मूलभाषा का पाठबोधन और व्याख्या, लक्ष्यभाषा में अभिव्यक्ति, अनुवाद की प्रक्रियागत स्थितियाँ - अर्थयोग; अर्थहानि; अर्थांतरण; पुनःसर्जन, अनुवाद कार्य में सहायक साधन-कोश, पारिभाषिक शब्दावली, संबंधित ग्रंथ, कम्प्यूटर, अनुवादक के गुण।

३. अनुवाद का मौखिक तथा लिखित स्वरूप, महत्त्व एवं वर्तमान काल में उसकी उपयोगिता, अनुवादक की योग्यता।

४. अनुवाद के प्रकार : प्रक्रिया के आधार पर - शब्दानुवाद - भावानुवाद, छायानुवाद पर, रुपांतरण। गद्य-पद्य के आधार पर - गद्यानुवाद, पद्यानुवाद। विधा के आधार पर - नाट्यानुवाद, काव्यानुवाद, कथानुवाद आदि।

५. वाणिज्य और व्यवसाय क्षेत्र की साम्रगी का अनुवाद : स्वरूप, आवश्यकता, समस्याएँ, सीमाएँ।

६. बैंक तथा अन्य कार्यालयों में अनुवाद की सामग्री : स्वरूप, आवश्यकता, समस्याएँ, सीमाएँ।

७. कम्प्यूटर अनुवाद : आवश्यकता, समस्याएँ तथा सीमाएँ।

८. अनुवाद की समस्याएँ - मुहावरों और कहावतों का अनुवाद, अलंकारों का अनुवाद, काव्यानुवाद, नाट्यानुवाद।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. अनुवाद सिद्धान्त की रुपरेखा - डॉ. सुरेशकुमार

२. अनुवाद विज्ञान - भोलानाथ तिवारी

३. अनुवाद विज्ञान : सिद्धान्त और अनुप्रयोग - संपा. डॉ. नगेन्द्र

४. अनुवाद और मशीनी अनुवाद - डॉ. वृषभप्रसार जैन

५. अनुवाद क्या हैं - डॉ. राजमल बोरा (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)

६. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण - डॉ. हरिमोहन (तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली)

७. अनुवाद विज्ञान - डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र

प्रश्न पत्र १४ : विशेष स्तर - वैकल्पिक

(सूचना : अ.आ.इ. में से किसी एक प्रश्नपत्र का अध्ययन करना है)

(आ) आधुनिक हिंदी आलोचना

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. आलोचना : स्वरूप, उद्देश्य, आलोचना की प्रक्रिया।

२. आलोचना के प्रमुख प्रकार, आलोचना और अनुसंधान, आलोचक के गुण।

३. हिंदी आलोचना का विकास क्रम, हिंदी आलोचना और सर्जनशील साहित्य।

४. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषता - हिंदी आलोचना में उनका योगदान।

५. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषता - हिंदी आलोचना में उनका योगदान।

६. डॉ. नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषता - हिंदी आलोचना में उनका योगदान।

७. डॉ. नगेन्द्र की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषता - हिंदी आलोचना में उनका योगदान।

८. डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषताएँ, हिंदी आलोचना में उनका योगदान।

९. डॉ. नामवर सिंह की आलोचना पद्धति : स्वरूप और विशेषताएँ, हिंदी आलोचना में उनका योगदान।

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. हिंदी आलोचना : स्वरूप और प्रक्रिया - आनंदप्रकाश दीक्षित

२. आचार्य शुक्त के समीक्षा सिद्धान्त - डॉ. रामलाल सिंह

३. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना - डॉ. रामविलास शर्मा

४. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व और साहित्य - डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

५. आचार्य नंददुलारे वाजपेयी : व्यक्तित्व और साहित्य - डॉ. रामाधार शर्मा

६. हिंदी आलोचना का इतिहास : डॉ. रामदरश मिश्र

७. हिंदी आलोचना : उद्भव और विकास - भगवत स्वरूप मिश्र

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

८. हिंदी के विशिष्ट आलोचक : नंदकुमार राय

९. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ - डॉ. रामेश्वर खंडेलवाल

१०. हिंदी की सैद्धान्तिक समीक्षा - डॉ. रामाधार शर्मा

११. हिंदी की सैद्धान्तिक आलोचना - डॉ. रूपकिशोर मिश्र

१२. हिंदी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ - डॉ. रामदरश मिश्र

१३. हिंदी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल - डॉ. शिवकुमार मिश्र

१४. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी - संपा. विश्वनाथ तिवारी

१५. डॉ. नगेन्द्र के आलोचना सिद्धांत - नारायण प्रसाद चौबे

१६. डॉ. रामविलास शर्मा - डॉ. विश्वनाथप्रसाद तिवारी

१७. आलोचक रामविलास शर्मा - डॉ. नत्थन सिंह

१८. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातम संदर्भ - डॉ. सत्यदेव मिश्र

१९. पाश्चात्य साहित्य सिद्धान्त विवेचन - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

२०. काव्यशास्त्र - डॉ. सुधाकर कलावड़े

२१. साहित्य अध्ययन की दृष्टियाँ - संपा. डॉ. उदयभानु सिंह, डॉ. उदय प्रकाश

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र

प्रश्न पत्र १४ : विशेष स्तर - वैकल्पिक

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. जनसंचार माध्यम : स्वरूप, कार्य, उद्देश्य, सूचना-प्राद्यौगिकी के विविध रूप, इलेक्ट्रानिक अंतर्ग्रथन।

२. भारतीय संचार तकनीकि : इतिहास, विकासमूलक तथा लोकतांत्रिक संचार, वैश्विकीकरण की प्रक्रिया और जनसंचार।

३. सूचना समाज की अवधारणा और शर्ते।

४. भाषा की सूचनात्मक क्षमता : सूचना-निर्माण, सूचना-शैली, सूचना-संप्रेषण, वाचिक भाषा, लेखन भाषा।

५. जनसंचार माध्यमों के विविध हिंदी भाषा रूप : समाचार, विज्ञापन, विज्ञान एवं अनुसंधान से संबंधित कार्यक्रम, जनशिक्षा, साक्षात्कार, सर्वेक्षण वृत्तांत, साहित्य प्रसारण, सामायिक कार्यक्रम, निवेदन, कृषि केंद्रित कार्यक्रम, बच्चों के कार्यक्रम, चर्चा विश्लेषण, खेल, संगीत, धार्मिक कार्यक्रम, सीधा प्रसारण आदि के हिंदी भाषा रूप।

६. जनसंचार माध्यम और हिंदी साहित्य : जनसंचार माध्यमों में साहित्य की आवश्यकता, जनसंचार माध्यमों से संबंधित हिंदी साहित्य।

७. हिंदी पत्रकारिता के विविध रूप : प्रिंटमीडिया (समाचार पत्र), रेडियो की पत्रकारिता, दूरदर्शन की पत्रकारिता, इंटरनेट की पत्रकारिता, पारस्परिक साम्य-वैषम्य।

८. जनसंपर्क माध्यमों में अनुवाद प्रक्रिया : अनुवाद की आवश्यकता, अंग्रेजी से हिंदी, हिंदी से अंग्रेजी, प्रादेशिक भाषाओं में अनुवाद, हिंदी पर अंग्रेजी का प्रभाव।

९. इलेक्ट्रानिक माध्यमों के संदर्भ में हिंदी भाषा का मानकीकरण : आवश्यकता, भाषा नियोजन-नीति, भाषा-स्थिरता, भाषा-विस्तार, किताबी भाषा और माध्यमों की भाषा का अंतर।

१०. हिंदी से संबंधित तकनीकी ज्ञान : कम्प्यूटर - एम.एस.वर्ड, फोटोशॉप, कवर डिजाइनिंग, ग्राफिक्स, डी.टी.पी., मल्टी मीडिया, इंटरनेट, वेबसाइट, इ-कॉमर्स आदि का सामान्य परिचय।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा - जगदीश्वर चतुर्वेदी

२. जनसंचार माध्यम : चुनौतियाँ और दायित्व - डॉ. त्रिभुवन राय
(श्याम प्रकाशन, जयपुर)

३. जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र - जवरीमल्ल पारीख

४. मीडिया विमर्श - रामशरण जोशी

५. मीडिया और साहित्य - सुधीर पचौरी

६. दूरदर्शन : सम्प्रेषण और संस्कृति - सुधीर पचौरी

७. इक्कीसवीं सदी और हिंदी पत्रकारिता - अमरेंद्रकुमार

८. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ - डॉ. विनोद गोदरे

९. रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता - प्रो. हरिमोहन (तक्षशिला, प्रकाशन, दिल्ली)

१०. दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी - डी.डी.ओझा, सत्यप्रकाश (प्रभात प्रकाशन, दिल्ली)

११. कम्प्यूटर गाइड - शशिकांत बाकरे

१२. इंटरनेट एण्ड वर्ल्डवाइड वेब सिंफ्लीफाइड - रूथ मारन

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

पाठ्यक्रम के हेतु

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की निर्देशिका के अनुसार हिन्दी अभ्यास समिति ने एम. ए. सेमेस्टर I से IV का पाठ्यक्रम तैयार किया है | इस पाठ्यक्रम के हेतु निम्नांकित हैं -

- भाषा-साहित्य के छात्र विभिन्न साहित्यिक विधाओं के स्वरूप और तत्त्वों से अवगत हो |
- भाषा-साहित्य के छात्र उपन्यास , कहानी , नाटक , एकांकी , निबंध , आत्मकथा , जीवनी , संस्मरण , रेखाचित्र , महाकाव्य , खंडकाव्य , गीतिनाट्य आदि साहित्यिक विधाओं के उद्भव और विकास से परिचित हो |
- विभिन्न साहित्यिक विधाओं में निरूपित परिवेश , युगीन समस्याओं , समाज-जीवन , रीति-रिवाज , विभिन्न त्यौहार , संस्कृति , लोकबोली , लोकगीतों आदि से भाषा-साहित्य के छात्र रूबरू हो |
- भाषा-साहित्य के छात्र कवियों-लेखकों के विचार-जगत और कल्पना-जगत से परिचित हो |
- विभिन्न साहित्यिक रचनाओं के काव्य-सौंदर्य और भाव-सौंदर्य से भाषा-साहित्य के छात्र परिचित हो |
- भाषा-साहित्य के छात्र विभिन्न कृतियों में निरूपित भाषा के विविध रूपों , मुहावरों , कहावतों , विशिष्ट उक्तियों , अलंकारों , छंदों , उपमानों , शब्द-वैविध्य आदि से अवगत हो |
- भाषा-साहित्य के छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि का विकास हो |
- छात्रों का साहित्य के प्रति लगाव बढ़े और अन्य साहित्यिक कृतियों को पढ़ने की प्रेरणा मिले |

I/C Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र १ से ४ (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -101	आधुनिक हिन्दी कथा-साहित्य
प्रश्नपत्र -२	CC -102	मध्ययुगीन हिन्दी काव्य
प्रश्नपत्र -३	CC -103	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त
प्रश्नपत्र -४	CC -104	नाटककार मोहन राकेश
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID - 105 A	राजभाषा प्रशिक्षण (वैकल्पिक)
	ID - 105 B	हिन्दी साहित्य और सिनेमा-जगत (वैकल्पिक)
	ID - 105 C	विशिष्ट साहित्यकार : प्रेमचन्द (वैकल्पिक)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -201	आधुनिक हिन्दी नाटक तथा अन्य विधाएँ
प्रश्नपत्र -२	CC -202	मध्ययुगीन हिन्दी काव्य
प्रश्नपत्र -३	CC -203	पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धान्त और वाद
प्रश्नपत्र -४	CC -204	हिन्दी उपन्यास
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID- 205 A	सूफी काव्य परंपरा और जायसी का 'पद्मावत ' (वैकल्पिक)
	ID- 205 B	हिन्दी दलित साहित्य (वैकल्पिक)
	ID- 205 C	हिन्दी व्यंग्य साहित्य (वैकल्पिक)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -301	आधुनिक हिन्दी काव्य - I
प्रश्नपत्र -२	CC -302	सैद्धान्तिक भाषाविज्ञान
प्रश्नपत्र -३	CC -303	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - I
प्रश्नपत्र -४	CC -304	अनुवादविज्ञान
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID - 305 A	हिन्दी लेखन कौशल (वैकल्पिक)
	ID - 305 B	जनसंचार प्रक्रिया और हिन्दी (वैकल्पिक)
	ID - 305 C	लोक साहित्य (वैकल्पिक)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -401	आधुनिक हिन्दी काव्य - II
प्रश्नपत्र -२	CC -402	हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास
प्रश्नपत्र -३	CC -403	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - II
प्रश्नपत्र -४	CC -404	शोध प्रविधि
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID- 405 A	कोश विज्ञान (वैकल्पिक)
	ID- 405 B	हिन्दी पत्रकारिता (वैकल्पिक)
	ID- 405 C	भारतीय साहित्य (वैकल्पिक)

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -301 ' आधुनिक हिन्दी काव्य - I '

पाठ्य पुस्तकें :

(१) प्रियप्रवास (महाकाव्य) : पंडित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
प्रकाशन : हिंदी साहित्य कुटीर, वाराणसी |

(२) राम की शक्ति पूजा (लम्बी कविता) : ('राग-विराग' संग्रह से) -
- **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' , प्रकाशन : सं. रामविलाश शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |**

(३) एक कंठ विषपायी (काव्य-नाटक) : दुष्यन्त कुमार , प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-१ |

यूनिट-१ उपर्युक्त पाठ्य महाकाव्य 'प्रियप्रवास' में से सिर्फ दशम सर्ग की तथा 'राम की शक्ति पूजा' एवं 'एक कंठ विषपायी' समग्र में ससंदर्भ व्याख्या |

यूनिट-२ 'प्रियप्रवास ' महाकाव्य का काव्य-सौष्ठव :
'प्रियप्रवास ' का महाकाव्यत्व , वस्तु-योजना, चरित्रांकन, प्रकृति-चित्रण, रसनिरुपण, भाषा, प्रतीक, छंद-योजना, गीतात्मकता, शीर्षक एवं युग-बोध या समस्याएँ

यूनिट-३ 'राम की शक्ति पूजा' की वस्तु-योजना, उद्देश्य, भाषा, अनुभूति पक्ष, अभिव्यक्ति पक्ष तथा शीर्षक |

यूनिट-४ 'एक कंठ विषपायी' का काव्य-रूप, कथावस्तु, उद्देश्य, भाषा, शीर्षक एवं युग-बोध या समस्याएँ |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न-१ यूनिट-१ में से ससंदर्भ व्याख्या ('प्रियप्रवास' में से सिर्फ दशम सर्ग की तथा 'राम की शक्ति पूजा' और 'एक कंठ विषपायी' समग्र काव्य में से)

(क) अथवा (क), (ख) अथवा (ख) अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ उपर्युक्त नाटकों और निबंध-संग्रह में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

संदर्भ-ग्रंथ :

१. आधुनिक प्रबंध काव्य संवेदना के धरातल : सं. डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
२. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा |
३. नयी कविता के प्रबंध काव्य : शिल्प और दर्शन : उमाकांत गुप्त, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
४. हरिऔध और उनका साहित्य : डॉ. मुकुंददेव शर्मा
५. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |
६. निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथसिंह, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद |
७. महाप्राण निराला : सं. भूपतिराम साकरिया, हिंदी साहित्य अकादमी, गांधीनगर |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

८. राम की शक्ति पूजा : निराला की कालजयी कृति : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
९. लम्बी कविता : काव्य सौन्दर्य : डॉ. सोमाभाई पटेल, अमन प्रकाशन, कानपुर |
१०. दुष्यन्त कुमार रचनाएँ और रचनाकार : ग.तु. अष्टेकर, पंचशील प्रकाशन, जयपुर |
११. दुष्यन्त कुमार और उनका साहित्य : डॉ. हरिभरण शर्मा, चिन्तक प्रमोद प्रकाशन, नई दिल्ली |
१२. रचनाकार दुष्यन्त कुमार : डॉ. किशोर, विनय प्रकाशन, कानपुर-२१ |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -302 सैद्धांतिक भाषाविज्ञान

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ भाषा और भाषाविज्ञान :

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक-प्रकार्य |

- भाषा-विज्ञान स्वरुप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ(वर्णनात्मक-ऐतिहासिक-तुलनात्मक) |

यूनिट-२ स्वनविज्ञान :

स्वनविज्ञान का स्वरुप, स्वनविज्ञान की शाखाएँ, वागअवयव तथा उनका कार्य, स्वन की परिभाषा, स्वन का वर्गीकरण, स्वर वर्गीकरण और व्यंजन वर्गीकरण |

यूनिट-३ रूप विज्ञान और वाक्य विज्ञान :

- रूप विज्ञान की परिभाषा और स्वरुप, रूपिम के संरचना की दृष्टि से भेद और अर्थ की दृष्टि से भेद |

- वाक्य की परिभाषा और स्वरुप, वाक्य की आवश्यकताएं, वाक्य के भेद (रचना, क्रिया और अर्थ के आधार पर) |

यूनिट-४ अर्थ विज्ञान एवं भाषाविज्ञान तथा अन्य शास्त्र :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

- अर्थ विज्ञान की परिभाषा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थबोध के साधन, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ |

- भाषाविज्ञान और समाजशास्त्र, भाषाविज्ञान और इतिहास, भाषाविज्ञान और मनोविज्ञान |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

संदर्भ-ग्रंथ :

१. भाषाविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहबाद |
२. भाषा विज्ञान:सिद्धांत और स्वरुप : डॉ. जीतराम पाठक, अनुपम प्रकाशन,पटना |
३. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
४. भाषाविज्ञान के सिद्धांत : त्रिलोचन पाण्डेय, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
५. नवीन भाषा विज्ञान : डॉ. तिलकसिंह, प्रकाशन संसथान, नई दिल्ली |
६. संरचनात्मक भाषा विज्ञान : भारत भूषण चौधरी, संजीव प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली |
७. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना , मीनाक्षी प्रकाशन ,मेरठ |
८. सामान्य भाषा विज्ञान : डॉ, बाबूराम सकसेना ,हिन्दी साहित्य सम्मेलन ,प्रयाग |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -303 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास - I

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ - हिंदी साहित्येतिहास की पृष्ठभूमि एवं आधुनिककाल की पूर्वपीठिका :

हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा, इतिहास लेखनार्थ आधारभूत सामग्री, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ |

- आधुनिककाल नामकरण, परिस्थितियाँ, आधुनिकता का स्वरुप |

यूनिट-२ स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ :

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता की पृष्ठभूमि, नयी कविता, अकविता, प्रतिबद्ध कविता, समकालीन कविता |

यूनिट-३ स्वातंत्र्योत्तर हिंदी दृश्य-काव्य (नाटक-एकांकी) :

- **प्रयोगशील नाटक की पृष्ठभूमि, कथ्य-मंच-भाषा के स्तर पर प्रयोगशीलता, प्रमुख प्रयोगशील नाटककार एवं नाटक |**
- **गीतिनाट्य की पृष्ठभूमि, विशेषताएँ, नाटक और गीतिनाट्य में अंतर, प्रमुख गीतिनाट्य |**
- **नुक्कड़ नाटक का उद्भव और विकास, विविध आन्दोलन और नुक्कड़ नाटक, नुक्कड़ नाटक और रंगमंच, सीमा एवं संभावनाएं |**

यूनिट-४ आधुनिककालीन साहित्य का विकासात्मक परिचय :

कविता, नाटक, एकांकी, आलोचना |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

सन्दर्भ-ग्रंथ :

१. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
२. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र , नागरी प्रचारिणी सभा , काशी |
३. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ. गंपतिचंद्र गुप्त
४. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय , राजपाल एंड सन्स , दिल्ली |
५. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह
६. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियां : डॉ. गोविन्दराम शर्मा
७. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबू गुलाबराय
८. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह
९. हिंदी साहित्य की भूमिका : डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
१०. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा
११. हिंदी गद्य : उद्भव और विकास : डॉ. उमेश शास्त्री
१२. हिंदी साहित्य : एक परिचय : डॉ. त्रिभुवन सिंह
१३. हिंदी साहित्य - युग और प्रवृत्तियां : डॉ. शिवकुमार शर्मा
१४. हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र
१५. हिंदी साहित्य का इतिहास: नए विचार नई दिशाएँ : डॉ. सुरेशकुमार जैन

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -304 अनुवादविज्ञान

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ अनुवाद की परिभाषा, अनुवाद कला या विज्ञान ? अनुवाद का महत्व, अनुवाद की सार्थकता-प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य |

यूनिट-२ अनुवाद की प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना, अनुदित पाठ का पूनर्गठन और अर्थ-सम्प्रेषण की प्रक्रिया, अनुवाद प्रक्रिया की प्रकृति, अनुवादक की योग्यता(गुण) |

- अनुवाद कार्य में सहायक उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, संबंधित ग्रंथ, कम्प्यूटर आदि |

यूनिट-३ - अनुवाद के प्रकार : प्रक्रिया के आधार पर : शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, रूपांतरण | गद्य-पद्य के आधार पर : गद्यानुवाद, पद्यानुवाद | विधा के आधार पर: नाट्यनुवाद, काव्यानुवाद, कथानुवाद |

यूनिट-४ अनुवाद की समस्याएँ और समाधान : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद की समस्याएँ, विधि-साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

सन्दर्भ-ग्रंथ :

१. अनुवाद कला : डॉ. एन.ई. विश्नाथ अय्यर, प्रतिभा प्रतिष्ठान, दिल्ली |
२. अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, शब्दगार प्रकाशन, दिल्ली |
३. अनुवाद कला- सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
४. अनुवाद विज्ञान : स्वरुप और समस्याएँ : डॉ. राम्गोपल्सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद |
५. अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा : डॉ. सुरेशकुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
६. अनुवाद के विविध आयाम : डॉ. पूरनचंद टंडन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
७. अनुवाद - समस्याएँ और समाधान : सत्यदेव मिश्र, रामाश्रय सविता, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ |
८. अनुवाद का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक परिचय : डी. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, साहित्य रत्नालय, गिलिस बाजार, कानपूर |
९. प्रयोजनमूलक हिंदी भाग:१-२ : सं. डॉ. अर्जुन के. तडवी तथा अन्य., युनिवर्सिटी ग्रंथनिर्माण बोर्ड, गुजरात राज्य, अहमदाबाद |
१०. व्यावहारिक अनुवाद : डॉ. एन.ई. विश्नाथ अय्यर, प्रतिभा प्रतिष्ठान, दिल्ली |
११. अनुवाद और मशीनी अनुवाद : वृषभप्रसाद जैन, सरश प्रकाशन, दिल्ली |
१२. अनुवाद : स्वरुप और आयाम : सं.डॉ. त्रिभुवनराय, अनिल प्रकाशन, इलाहांबाद |
१३. अंग्रेजी-हिंदी पारिभाषिक शब्द कोष : डॉ. हरदेव बाहरी, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली|
१४. अनुवाद विज्ञान : डॉ. माधुरी छेड़ा, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : ID-305 A हिन्दी लेखन कौशल (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ हिंदी लेखन कौशल :

- **हिंदी लेखन कौशल का विकास**
- **हिंदी लेखन के मूल तत्व**
- **आवेदनपत्र, पत्रलेखन, व्यावहारिक पत्र**
- **सम्पादकीय लेखन के चरण**

यूनिट-२ साक्षात्कार :

- **साक्षात्कार की परिभाषा एवं स्वरुप**
- **साक्षात्कार के प्रकार**
- **साक्षात्कार की प्रक्रिया**
- **साक्षात्कार की अनुमति और समय**

यूनिट-३ उद्घोषणा लेखन :

- **उद्घोषणा अर्थ एवं स्वरुप**
- **हिंदी एवं भाषण कला**
- **उद्घोषणा लेखन**
- **उद्घोषणा की तैयारी**

यूनिट-४ विज्ञापन लेखन :

- **विज्ञापन : अर्थ एवं प्रक्रिया**
- **विज्ञापन के प्रकार एवं भाषा**
- **विज्ञापन की निर्माण प्रक्रिया**
- **विज्ञापन प्रबंध**

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४
प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ५
प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी ,
जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

सन्दर्भ-ग्रंथ :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रो. रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
२. प्रयोजनमूलक हिंदी भाग:१-२ : सं. डॉ. अर्जुन के. तडवी तथा अन्य., युनिवर्सिटी ग्रंथनिर्माण बोर्ड, गुजरात राज्य, अहमदाबाद |
३. विज्ञापन तकनीक एवं सिद्धांत : नरेन्द्रसिंह यादव
४. हिंदी व्यावहारिक लेखन : हरिमोहन शर्मा, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली |
५. जन संचार : विविध आयाम : ब्रजमोहन गुप्त, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
६. प्रिन्ट मीडिया लेखन : डॉ. हरिस अरोड़ा, के.के. पब्लिकेशन, नई दिल्ली |
७. मीडिया और साहित्य : डॉ. योगेन्द्र प्रतापसिंह, साहित्य रत्नालय, कानपुर |
८. मीडिया : आयाम और प्रतिमान :डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय, जयभारत प्रकाशन, इलाहाबाद |
९. मीडिया लेखन : सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : ID-305 B जनसंचार प्रक्रिया और हिन्दी (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ जनसंचार माध्यम :

अर्थ और स्वरुप, जनसंचार माध्यम के प्रकार, कार्य, उद्देश्य, |

यूनिट-२ जन-संपर्क और जनसंचार:

जन-संपर्क का अर्थ, जन-संपर्क के मुख्य आधार, जन-संपर्क के माध्यम

जनसंचार प्रक्रिया के तत्व, संचार के प्रकार |

यूनिट-३ जनसंचार माध्यमों के विविध भाषा रूप (भाषिक प्रकृति) :

समाचार का भाषा-रूप, विज्ञापन का भाषा रूप, विज्ञान और अनुसन्धान से संबंधित कार्यक्रमों में प्रयुक्त भाषा, जनशिक्षा, साक्षात्कार, साहित्य प्रसारण, कृषि-खेल-संगीत-धार्मिक कार्यक्रमों के प्रसारण में हिंदी का प्रयोग |

यूनिट-४ समाचार और विज्ञापन :

समाचार का अर्थ, समाचार के तत्व, समाचार के स्रोत, विज्ञापन की परिभाषा, विज्ञापन के प्रकार |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

- ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ४
यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ५
प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी ,
जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

सन्दर्भ-ग्रंथ :

१. आधुनिक विज्ञापन : डॉ. प्रेमचंद पातंजलि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
२. इलैक्ट्रोनिक मीडिया और हिंदी : डॉ. रेश्मा नाडक, संजय प्रकाशन, दिल्ली |
३. जन-पत्रिका, जन-संचार एवं जन-संपर्क : सूर्यप्रसाद दीक्षित, संजय प्रकाशन, दिल्ली |
४. जन-संचार एवं पत्रकारिता : प्रो. रमेश जैन, मंगलदीप प्रकाशन, जयपुर |
५. जन-संचार और हिंदी पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
६. जन-संचार माध्यम एवं हिंदी पत्रकारिता : विजय शर्मा, इशिका पब्लिशिंग हाउस, जयपुर |
७. पत्रकारिता एक एक परिचय : संदिप्कुमार श्रीवास्तव, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
८. पत्रकारिता के नए आयाम : इस.के. दुबे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
९. मीडिया : आयाम और प्रतिमान : डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
१०. मीडिया और हिंदी : डॉ. पंडित बन्ने, अमन प्रकाशन, कानपूर-२
११. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रो. रमेश जैन, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली |
१२. प्रयोजनमूलक हिंदी भाग:१-२ : सं. डॉ. अर्जुन के. तडवी तथा अन्य., युनिवर्सिटी ग्रंथनिर्माण बोर्ड, गुजरात राज्य, अहमदाबाद |
१३. जन संचार : विविध आयाम : ब्रजमोहन गुप्त, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
१४. प्रिन्ट मीडिया लेखन : डॉ. हरिस अरोड़ा, के.के. पब्लिकेशन, नई दिल्ली |
१५. मीडिया और साहित्य : डॉ. योगेन्द्र प्रतापसिंह, साहित्य रत्नालय, कानपुर |
१६. मीडिया लेखन : सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : ID-305 C लोकसाहित्य (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ लोकसाहित्य का स्वरुप-महत्त्व :

लोकसाहित्य की परिभाषा एवं विशेषताएँ, लोकसाहित्य का महत्त्व(सामाजिक-आर्थिक-नैतिक-धार्मिक-सांस्कृतिक-राष्ट्रीय तथा भाषा शास्त्रीय दृष्टि से) |

लोकसाहित्य का कलापक्ष : भाषा, भावव्यंजना, रसनिरुपन, अलंकर एवं छंद, प्रतीकात्मकता |

यूनिट-२ लोककथा :

लोककथा की परिभाषा-स्वरुप एवं विशेषताएँ, लोककथाओं का वर्गीकरण, लोककथा में अभिप्राय का महत्त्व |

यूनिट-३ लोकगीत :

लोकगीत की परिभाषा-स्वरुप एवं विशेषताएँ, लोकगीतों के वर्गीकरण की पद्धतियाँ, लोकगीत, प्रमुख लोकगीतों का सामान्य परिचय |

यूनिट-४ लोकनाट्य :

लोकनाट्य की परिभाषा-स्वरुप एवं विशेषताएँ, लोकनाट्य और शास्त्रीय नाटक में अंतर, प्रमुख लोकनाट्यों का सामान्य परिचय (रामलीला, रासलीला, कीर्तन, जात्रा, भवाई, नौटंकी, तमाशा)

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४
प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ५
प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी ,
जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

सन्दर्भ-ग्रंथ :

१. लोकसाहित्य : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. श्रीराम शर्मा , श्री विनोद पुस्तक मंदिर आगरा |
२. भारतीय लोकसाहित्य : डॉ. श्याम परमार , राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली |
३. लोकसाहित्य की भूमिका : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय , साहित्य भवन इलाहाबाद |
४. लोकसाहित्य के प्रतिमान : डॉ. कुंदनलाल उप्रैती, भारत प्रकाशन अलीगढ़ |
५. लोकवार्ता और लोकगीत : डॉ. सत्येन्द्र , श्री विनोद पुस्तक मंदिर आगरा |
६. लोक साहित्य - डॉ. शशिकांत सोनवणे , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
७. लोक साहित्य के विविध आयाम - वीणा दाढ़े , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
८. लोक साहित्य : विधा शास्त्र और इतिहास - डॉ. बापूराव देसाई , विद्या प्रकाशन , कानपुर |

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

पाठ्यक्रम के हेतु

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की निर्देशिका के अनुसार हिन्दी अभ्यास समिति ने एम. ए. सेमेस्टर I से IV का पाठ्यक्रम तैयार किया है | इस पाठ्यक्रम के हेतु निम्नांकित हैं -

- भाषा-साहित्य के छात्र विभिन्न साहित्यिक विधाओं के स्वरूप और तत्त्वों से अवगत हो |
- भाषा-साहित्य के छात्र उपन्यास , कहानी , नाटक , एकांकी , निबंध , आत्मकथा , जीवनी , संस्मरण , रेखाचित्र , महाकाव्य , खंडकाव्य , गीतिनाट्य आदि साहित्यिक विधाओं के उद्भव और विकास से परिचित हो |
- विभिन्न साहित्यिक विधाओं में निरूपित परिवेश , युगीन समस्याओं , समाज-जीवन , रीति-रिवाज , विभिन्न त्यौहार , संस्कृति , लोकबोली , लोकगीतों आदि से भाषा-साहित्य के छात्र रूबरू हो |
- भाषा-साहित्य के छात्र कवियों-लेखकों के विचार-जगत और कल्पना-जगत से परिचित हो |
- विभिन्न साहित्यिक रचनाओं के काव्य-सौंदर्य और भाव-सौंदर्य से भाषा-साहित्य के छात्र परिचित हो |
- भाषा-साहित्य के छात्र विभिन्न कृतियों में निरूपित भाषा के विविध रूपों , मुहावरों , कहावतों , विशिष्ट उक्तियों , अलंकारों , छंदों , उपमानों , शब्द-वैविध्य आदि से अवगत हो |
- भाषा-साहित्य के छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि का विकास हो |
- छात्रों का साहित्य के प्रति लगाव बढ़े और अन्य साहित्यिक कृतियों को पढ़ने की प्रेरणा मिले |

I/C Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र १ से ४ (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -101	आधुनिक हिन्दी कथा-साहित्य
प्रश्नपत्र -२	CC -102	मध्ययुगीन हिन्दी काव्य
प्रश्नपत्र -३	CC -103	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त
प्रश्नपत्र -४	CC -104	नाटककार मोहन राकेश
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID - 105 A	राजभाषा प्रशिक्षण (वैकल्पिक)
	ID - 105 B	हिन्दी साहित्य और सिनेमा-जगत (वैकल्पिक)
	ID - 105 C	विशिष्ट साहित्यकार : प्रेमचन्द (वैकल्पिक)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -201	आधुनिक हिन्दी नाटक तथा अन्य विधाएँ
प्रश्नपत्र -२	CC -202	मध्ययुगीन हिन्दी काव्य
प्रश्नपत्र -३	CC -203	पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धान्त और वाद
प्रश्नपत्र -४	CC -204	हिन्दी उपन्यास
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID- 205 A	सूफी काव्य परंपरा और जायसी का 'पद्मावत ' (वैकल्पिक)
	ID- 205 B	हिन्दी दलित साहित्य (वैकल्पिक)
	ID- 205 C	हिन्दी व्यंग्य साहित्य (वैकल्पिक)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -301	आधुनिक हिन्दी काव्य - I
प्रश्नपत्र -२	CC -302	सैद्धान्तिक भाषाविज्ञान
प्रश्नपत्र -३	CC -303	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - I
प्रश्नपत्र -४	CC -304	अनुवादविज्ञान
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID - 305 A	हिन्दी लेखन कौशल (वैकल्पिक)
	ID - 305 B	जनसंचार प्रक्रिया और हिन्दी (वैकल्पिक)
	ID - 305 C	लोक साहित्य (वैकल्पिक)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -401	आधुनिक हिन्दी काव्य - II
प्रश्नपत्र -२	CC -402	हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास
प्रश्नपत्र -३	CC -403	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - II
प्रश्नपत्र -४	CC -404	शोध प्रविधि
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID- 405 A	कोश विज्ञान (वैकल्पिक)
	ID- 405 B	हिन्दी पत्रकारिता (वैकल्पिक)
	ID- 405 C	भारतीय साहित्य (वैकल्पिक)

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -301 ' आधुनिक हिन्दी काव्य - I '

पाठ्य पुस्तकें :

(१) प्रियप्रवास (महाकाव्य) : पंडित अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
प्रकाशन : हिंदी साहित्य कुटीर, वाराणसी |

(२) राम की शक्ति पूजा (लम्बी कविता) : ('राग-विराग' संग्रह से) -
- **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' , प्रकाशन : सं. रामविलाश शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |**

(३) एक कंठ विषपायी (काव्य-नाटक) : दुष्यन्त कुमार , प्रकाशन : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-१ |

यूनिट-१ उपर्युक्त पाठ्य महाकाव्य 'प्रियप्रवास' में से सिर्फ दशम सर्ग की तथा 'राम की शक्ति पूजा' एवं 'एक कंठ विषपायी' समग्र में ससंदर्भ व्याख्या |

यूनिट-२ 'प्रियप्रवास ' महाकाव्य का काव्य-सौष्ठव :
'प्रियप्रवास ' का महाकाव्यत्व , वस्तु-योजना, चरित्रांकन, प्रकृति-चित्रण, रसनिरुपण, भाषा, प्रतीक, छंद-योजना, गीतात्मकता, शीर्षक एवं युग-बोध या समस्याएँ

यूनिट-३ 'राम की शक्ति पूजा' की वस्तु-योजना, उद्देश्य, भाषा, अनुभूति पक्ष, अभिव्यक्ति पक्ष तथा शीर्षक |

यूनिट-४ 'एक कंठ विषपायी' का काव्य-रूप, कथावस्तु, उद्देश्य, भाषा, शीर्षक एवं युग-बोध या समस्याएँ |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न-१ यूनिट-१ में से ससंदर्भ व्याख्या ('प्रियप्रवास' में से सिर्फ दशम सर्ग की तथा 'राम की शक्ति पूजा' और 'एक कंठ विषपायी' समग्र काव्य में से)

(क) अथवा (क), (ख) अथवा (ख) अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ उपर्युक्त नाटकों और निबंध-संग्रह में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

संदर्भ-ग्रंथ :

१. आधुनिक प्रबंध काव्य संवेदना के धरातल : सं. डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
२. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर आगरा |
३. नयी कविता के प्रबंध काव्य : शिल्प और दर्शन : उमाकांत गुप्त, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
४. हरिऔध और उनका साहित्य : डॉ. मुकुंददेव शर्मा
५. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |
६. निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथसिंह, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद |
७. महाप्राण निराला : सं. भूपतिराम साकरिया, हिंदी साहित्य अकादमी, गांधीनगर |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

८. राम की शक्ति पूजा : निराला की कालजयी कृति : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
९. लम्बी कविता : काव्य सौन्दर्य : डॉ. सोमाभाई पटेल, अमन प्रकाशन, कानपुर |
१०. दुष्यन्त कुमार रचनाएँ और रचनाकार : ग.तु. अष्टेकर, पंचशील प्रकाशन, जयपुर |
११. दुष्यन्त कुमार और उनका साहित्य : डॉ. हरिभरण शर्मा, चिन्तक प्रमोद प्रकाशन, नई दिल्ली |
१२. रचनाकार दुष्यन्त कुमार : डॉ. किशोर, विनय प्रकाशन, कानपुर-२१ |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -302 सैद्धांतिक भाषाविज्ञान

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ भाषा और भाषाविज्ञान :

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा-संरचना और भाषिक-प्रकार्य |

- भाषा-विज्ञान स्वरुप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ(वर्णनात्मक-ऐतिहासिक-तुलनात्मक) |

यूनिट-२ स्वनविज्ञान :

स्वनविज्ञान का स्वरुप, स्वनविज्ञान की शाखाएँ, वागअवयव तथा उनका कार्य, स्वन की परिभाषा, स्वन का वर्गीकरण, स्वर वर्गीकरण और व्यंजन वर्गीकरण |

यूनिट-३ रूप विज्ञान और वाक्य विज्ञान :

- रूप विज्ञान की परिभाषा और स्वरुप, रूपिम के संरचना की दृष्टि से भेद और अर्थ की दृष्टि से भेद |

- वाक्य की परिभाषा और स्वरुप, वाक्य की आवश्यकताएं, वाक्य के भेद (रचना, क्रिया और अर्थ के आधार पर) |

यूनिट-४ अर्थ विज्ञान एवं भाषाविज्ञान तथा अन्य शास्त्र :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

- अर्थ विज्ञान की परिभाषा, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थबोध के साधन, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ |

- भाषाविज्ञान और समाजशास्त्र, भाषाविज्ञान और इतिहास, भाषाविज्ञान और मनोविज्ञान |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

संदर्भ-ग्रंथ :

१. भाषाविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहबाद |
२. भाषा विज्ञान:सिद्धांत और स्वरुप : डॉ. जीतराम पाठक, अनुपम प्रकाशन,पटना |
३. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
४. भाषाविज्ञान के सिद्धांत : त्रिलोचन पाण्डेय, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
५. नवीन भाषा विज्ञान : डॉ. तिलकसिंह, प्रकाशन संसथान, नई दिल्ली |
६. संरचनात्मक भाषा विज्ञान : भारत भूषण चौधरी, संजीव प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली |
७. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना , मीनाक्षी प्रकाशन ,मेरठ |
८. सामान्य भाषा विज्ञान : डॉ, बाबूराम सकसेना ,हिन्दी साहित्य सम्मेलन ,प्रयाग |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -303 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास - I

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ - हिंदी साहित्येतिहास की पृष्ठभूमि एवं आधुनिककाल की पूर्वपीठिका :

हिंदी साहित्य के इतिहास की लेखन परंपरा, इतिहास लेखनार्थ आधारभूत सामग्री, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ |

- आधुनिककाल नामकरण, परिस्थितियाँ, आधुनिकता का स्वरुप |

यूनिट-२ स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ :

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता की पृष्ठभूमि, नयी कविता, अकविता, प्रतिबद्ध कविता, समकालीन कविता |

यूनिट-३ स्वातंत्र्योत्तर हिंदी दृश्य-काव्य (नाटक-एकांकी) :

- **प्रयोगशील नाटक की पृष्ठभूमि, कथ्य-मंच-भाषा के स्तर पर प्रयोगशीलता, प्रमुख प्रयोगशील नाटककार एवं नाटक |**
- **गीतिनाट्य की पृष्ठभूमि, विशेषताएँ, नाटक और गीतिनाट्य में अंतर, प्रमुख गीतिनाट्य |**
- **नुक्कड़ नाटक का उद्भव और विकास, विविध आन्दोलन और नुक्कड़ नाटक, नुक्कड़ नाटक और रंगमंच, सीमा एवं संभावनाएं |**

यूनिट-४ आधुनिककालीन साहित्य का विकासात्मक परिचय :

कविता, नाटक, एकांकी, आलोचना |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

सन्दर्भ-ग्रंथ :

१. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
२. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र , नागरी प्रचारिणी सभा , काशी |
३. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ. गंपतिचंद्र गुप्त
४. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय , राजपाल एंड सन्स , दिल्ली |
५. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह
६. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियां : डॉ. गोविन्दराम शर्मा
७. हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबू गुलाबराय
८. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह
९. हिंदी साहित्य की भूमिका : डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
१०. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा
११. हिंदी गद्य : उद्भव और विकास : डॉ. उमेश शास्त्री
१२. हिंदी साहित्य : एक परिचय : डॉ. त्रिभुवन सिंह
१३. हिंदी साहित्य - युग और प्रवृत्तियां : डॉ. शिवकुमार शर्मा
१४. हिंदी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास : डॉ. सभापति मिश्र
१५. हिंदी साहित्य का इतिहास: नए विचार नई दिशाएँ : डॉ. सुरेशकुमार जैन

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -304 अनुवादविज्ञान

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ अनुवाद की परिभाषा, अनुवाद कला या विज्ञान ? अनुवाद का महत्व, अनुवाद की सार्थकता-प्रासंगिकता एवं व्यावसायिक परिदृश्य |

यूनिट-२ अनुवाद की प्रक्रिया के विभिन्न चरण, स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा की तुलना, अनुदित पाठ का पूनर्गठन और अर्थ-सम्प्रेषण की प्रक्रिया, अनुवाद प्रक्रिया की प्रकृति, अनुवादक की योग्यता(गुण) |

- अनुवाद कार्य में सहायक उपकरण : कोश, पारिभाषिक शब्दावली, संबंधित ग्रंथ, कम्प्यूटर आदि |

यूनिट-३ - अनुवाद के प्रकार : प्रक्रिया के आधार पर : शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, रूपांतरण | गद्य-पद्य के आधार पर : गद्यानुवाद, पद्यानुवाद | विधा के आधार पर: नाट्यनुवाद, काव्यानुवाद, कथानुवाद |

यूनिट-४ अनुवाद की समस्याएँ और समाधान : सृजनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद की समस्याएँ, विधि-साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, कोश एवं पारिभाषिक शब्दार्थ के निर्माण की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

सन्दर्भ-ग्रंथ :

१. अनुवाद कला : डॉ. एन.ई. विश्नाथ अय्यर, प्रतिभा प्रतिष्ठान, दिल्ली |
२. अनुवाद विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, शब्दगार प्रकाशन, दिल्ली |
३. अनुवाद कला- सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
४. अनुवाद विज्ञान : स्वरुप और समस्याएँ : डॉ. राम्गोपल्सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद |
५. अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा : डॉ. सुरेशकुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
६. अनुवाद के विविध आयाम : डॉ. पूरनचंद टंडन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
७. अनुवाद - समस्याएँ और समाधान : सत्यदेव मिश्र, रामाश्रय सविता, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ |
८. अनुवाद का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक परिचय : डी. लक्ष्मीकांत पाण्डेय, साहित्य रत्नालय, गिलिस बाजार, कानपूर |
९. प्रयोजनमूलक हिंदी भाग:१-२ : सं. डॉ. अर्जुन के. तडवी तथा अन्य., युनिवर्सिटी ग्रंथनिर्माण बोर्ड, गुजरात राज्य, अहमदाबाद |
१०. व्यावहारिक अनुवाद : डॉ. एन.ई. विश्नाथ अय्यर, प्रतिभा प्रतिष्ठान, दिल्ली |
११. अनुवाद और मशीनी अनुवाद : वृषभप्रसाद जैन, सरश प्रकाशन, दिल्ली |
१२. अनुवाद : स्वरुप और आयाम : सं.डॉ. त्रिभुवनराय, अनिल प्रकाशन, इलाहांबाद |
१३. अंग्रेजी-हिंदी पारिभाषिक शब्द कोष : डॉ. हरदेव बाहरी, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली|
१४. अनुवाद विज्ञान : डॉ. माधुरी छेड़ा, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : ID-305 A हिन्दी लेखन कौशल (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ हिंदी लेखन कौशल :

- **हिंदी लेखन कौशल का विकास**
- **हिंदी लेखन के मूल तत्व**
- **आवेदनपत्र, पत्रलेखन, व्यावहारिक पत्र**
- **सम्पादकीय लेखन के चरण**

यूनिट-२ साक्षात्कार :

- **साक्षात्कार की परिभाषा एवं स्वरुप**
- **साक्षात्कार के प्रकार**
- **साक्षात्कार की प्रक्रिया**
- **साक्षात्कार की अनुमति और समय**

यूनिट-३ उद्घोषणा लेखन :

- **उद्घोषणा अर्थ एवं स्वरुप**
- **हिंदी एवं भाषण कला**
- **उद्घोषणा लेखन**
- **उद्घोषणा की तैयारी**

यूनिट-४ विज्ञापन लेखन :

- **विज्ञापन : अर्थ एवं प्रक्रिया**
- **विज्ञापन के प्रकार एवं भाषा**
- **विज्ञापन की निर्माण प्रक्रिया**
- **विज्ञापन प्रबंध**

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४
प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ५
प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी ,
जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

सन्दर्भ-ग्रंथ :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रो. रमेश जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
२. प्रयोजनमूलक हिंदी भाग:१-२ : सं. डॉ. अर्जुन के. तडवी तथा अन्य., युनिवर्सिटी ग्रंथनिर्माण बोर्ड, गुजरात राज्य, अहमदाबाद |
३. विज्ञापन तकनीक एवं सिद्धांत : नरेन्द्रसिंह यादव
४. हिंदी व्यावहारिक लेखन : हरिमोहन शर्मा, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली |
५. जन संचार : विविध आयाम : ब्रजमोहन गुप्त, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
६. प्रिन्ट मीडिया लेखन : डॉ. हरिस अरोड़ा, के.के. पब्लिकेशन, नई दिल्ली |
७. मीडिया और साहित्य : डॉ. योगेन्द्र प्रतापसिंह, साहित्य रत्नालय, कानपुर |
८. मीडिया : आयाम और प्रतिमान :डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय, जयभारत प्रकाशन, इलाहाबाद |
९. मीडिया लेखन : सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : ID-305 B जनसंचार प्रक्रिया और हिन्दी (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ जनसंचार माध्यम :

अर्थ और स्वरुप, जनसंचार माध्यम के प्रकार, कार्य, उद्देश्य, |

यूनिट-२ जन-संपर्क और जनसंचार:

जन-संपर्क का अर्थ, जन-संपर्क के मुख्य आधार, जन-संपर्क के माध्यम

जनसंचार प्रक्रिया के तत्व, संचार के प्रकार |

यूनिट-३ जनसंचार माध्यमों के विविध भाषा रूप (भाषिक प्रकृति) :

समाचार का भाषा-रूप, विज्ञापन का भाषा रूप, विज्ञान और अनुसन्धान से संबंधित कार्यक्रमों में प्रयुक्त भाषा, जनशिक्षा, साक्षात्कार, साहित्य प्रसारण, कृषि-खेल-संगीत-धार्मिक कार्यक्रमों के प्रसारण में हिंदी का प्रयोग |

यूनिट-४ समाचार और विज्ञापन :

समाचार का अर्थ, समाचार के तत्व, समाचार के स्रोत, विज्ञापन की परिभाषा, विज्ञापन के प्रकार |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

- ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ४
यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ५
प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी ,
जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

सन्दर्भ-ग्रंथ :

१. आधुनिक विज्ञापन : डॉ. प्रेमचंद पातंजलि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
२. इलैक्ट्रोनिक मीडिया और हिंदी : डॉ. रेश्मा नाडक, संजय प्रकाशन, दिल्ली |
३. जन-पत्रिका, जन-संचार एवं जन-संपर्क : सूर्यप्रसाद दीक्षित, संजय प्रकाशन, दिल्ली |
४. जन-संचार एवं पत्रकारिता : प्रो. रमेश जैन, मंगलदीप प्रकाशन, जयपुर |
५. जन-संचार और हिंदी पत्रकारिता : डॉ. अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
६. जन-संचार माध्यम एवं हिंदी पत्रकारिता : विजय शर्मा, इशिका पब्लिशिंग हाउस, जयपुर |
७. पत्रकारिता एक एक परिचय : संदिप्कुमार श्रीवास्तव, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
८. पत्रकारिता के नए आयाम : इस.के. दुबे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
९. मीडिया : आयाम और प्रतिमान : डॉ. पृथ्वीनाथ पाण्डेय, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
१०. मीडिया और हिंदी : डॉ. पंडित बन्ने, अमन प्रकाशन, कानपूर-२
११. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रो. रमेश जैन, नेशनल पब्लिसिंग हाउस, दिल्ली |
१२. प्रयोजनमूलक हिंदी भाग:१-२ : सं. डॉ. अर्जुन के. तडवी तथा अन्य., युनिवर्सिटी ग्रंथनिर्माण बोर्ड, गुजरात राज्य, अहमदाबाद |
१३. जन संचार : विविध आयाम : ब्रजमोहन गुप्त, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
१४. प्रिन्ट मीडिया लेखन : डॉ. हरिस अरोड़ा, के.के. पब्लिकेशन, नई दिल्ली |
१५. मीडिया और साहित्य : डॉ. योगेन्द्र प्रतापसिंह, साहित्य रत्नालय, कानपुर |
१६. मीडिया लेखन : सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

तृतीय सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

प्रश्नपत्र : ID-305 C लोकसाहित्य (वैकल्पिक)

पाठ्यक्रम :

यूनिट-१ लोकसाहित्य का स्वरुप-महत्त्व :

लोकसाहित्य की परिभाषा एवं विशेषताएँ, लोकसाहित्य का महत्त्व(सामाजिक-आर्थिक-नैतिक-धार्मिक-सांस्कृतिक-राष्ट्रीय तथा भाषा शास्त्रीय दृष्टि से) |

लोकसाहित्य का कलापक्ष : भाषा, भावव्यंजना, रसनिरुपन, अलंकर एवं छंद, प्रतीकात्मकता |

यूनिट-२ लोककथा :

लोककथा की परिभाषा-स्वरुप एवं विशेषताएँ, लोककथाओं का वर्गीकरण, लोककथा में अभिप्राय का महत्त्व |

यूनिट-३ लोकगीत :

लोकगीत की परिभाषा-स्वरुप एवं विशेषताएँ, लोकगीतों के वर्गीकरण की पद्धतियाँ, लोकगीत, प्रमुख लोकगीतों का सामान्य परिचय |

यूनिट-४ लोकनाट्य :

लोकनाट्य की परिभाषा-स्वरुप एवं विशेषताएँ, लोकनाट्य और शास्त्रीय नाटक में अंतर, प्रमुख लोकनाट्यों का सामान्य परिचय (रामलीला, रासलीला, कीर्तन, जात्रा, भवाई, नौटंकी, तमाशा)

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४
प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४ प्रश्न - ५
प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी ,
जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

कुल अंक = ७०

सन्दर्भ-ग्रंथ :

१. लोकसाहित्य : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. श्रीराम शर्मा , श्री विनोद पुस्तक मंदिर आगरा |
२. भारतीय लोकसाहित्य : डॉ. श्याम परमार , राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली |
३. लोकसाहित्य की भूमिका : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय , साहित्य भवन इलाहाबाद |
४. लोकसाहित्य के प्रतिमान : डॉ. कुंदनलाल उप्रैती, भारत प्रकाशन अलीगढ़ |
५. लोकवार्ता और लोकगीत : डॉ. सत्येन्द्र , श्री विनोद पुस्तक मंदिर आगरा |
६. लोक साहित्य - डॉ. शशिकांत सोनवणे , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
७. लोक साहित्य के विविध आयाम - वीणा दाढ़े , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
८. लोक साहित्य : विधा शास्त्र और इतिहास - डॉ. बापूराव देसाई , विद्या प्रकाशन , कानपुर |

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

HINDI

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

(हिन्दी)

हिन्दी विषय का यू.जी.सी. मॉडल पर आधारित पाठ्यक्रम

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सत्र

(जून - २०११ से कार्यान्वित)

(पृष्ठ संख्या - १ से ६१ तक)

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष : २०११ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिंदी) प्रथम सत्र

प्रश्नपत्र	विषय	कोड नं.	
प्रश्नपत्र-१	सामान्य स्तर : आधुनिक हिंदी कथा साहित्य (उपन्यास, कहानी, जीवनी)	HC101	
प्रश्नपत्र-२	विशेष स्तर : प्राचीन तथा मध्ययुगीन काव्य (तुलसीदास-रामचरित मानस, अयोध्याकांड, सूरदास-भ्रमरगीत सार)	HC102	
प्रश्नपत्र-३	विशेष स्तर : भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत	HC103	
प्रश्नपत्र-४	विशेष स्तर : वैकल्पिक विशेष साहित्यकार		
	अ) कबीर	HEC104	
	आ) प्रेमचंद - गोदान, प्रेमचंद - प्रतिनिधि कहानियाँ	HEC105	
	इ) नाटककार मोहन राकेश	HEC106	
प्रश्नपत्र-५	इन्टर डीसीप्लीनरी कोर्स		
	अ) Health and Wellness	HIDC107	
	आ) Rural Development in India	HIDC108	

एम.ए. (हिंदी) द्वितीय सत्र

प्रश्नपत्र	विषय	कोड नं.	
प्रश्नपत्र-६	सामान्य स्तर : आधुनिक हिंदी नाटक तथा अन्य विद्याएँ (नाटक, निबंध)	HC201	
प्रश्नपत्र-७	विशेष स्तर : मध्ययुगीन हिंदी काव्य संक्षिप्त बिहारी तथा मीरा पदावली	HC202	
प्रश्नपत्र-८	विशेष स्तर : पाश्चात्य काव्यशास्त्र, सिद्धांत और वाद	HC203	
प्रश्नपत्र-९	विशेष स्तर : वैकल्पिक : विशेष विधा तथा अन्य		
	क) हिंदी उपन्यास	HEC204	
	ख) दृश्य-श्राव्य-माध्यम लेखन	HEC205	
	ग) दलित साहित्य	HEC206	
प्रश्नपत्र-१०	इन्टर डीसीप्लीनरी कोर्स		
	अ) Information Technology and Data Analysis	HIDC207	
	आ) Self Awarness and Personality	HIDC208	

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष : २०१२ से कार्यान्वित)

एम.ए. (हिंदी) तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र	विषय	कोड नं.	
प्रश्नपत्र-११	सामान्यस्तर : आधुनिक काव्य - I महाकाव्य, दीर्घकविता, काव्यनाटक	HC301	
प्रश्नपत्र-१२	विशेषस्तर : सैद्धांतिक भाषाविज्ञान	HC302	
प्रश्नपत्र-१३	विशेषस्तर : आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	HC303	
प्रश्नपत्र-१४	विशेषस्तर : वैकल्पिक		
	(अ) अनुवाद विज्ञान	HEC304	
	(आ) आधुनिक हिन्दी आलोचना	HEC305	
	(इ) जनसंचार माध्यम और हिन्दी	HEC306	
प्रश्नपत्र-१५	इन्टर डिसीप्लीनरी कोर्स		
	(अ) Information Technology and Data Analysis	HIDC307	
	आ) Communication Skills	HIDC308	

एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र	विषय	कोड नं.	
प्रश्नपत्र-१६	सामान्यस्तर : आधुनिक काव्य - II गीतिकाव्य, विशेषकवि, नईकविता	HC401	
प्रश्नपत्र-१७	विशेषस्तर : हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकास	HC402	
प्रश्नपत्र-१८	विशेषस्तर : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास	HC403	
प्रश्नपत्र-१९	विशेषस्तर : वैकल्पिक		
	भारतीय साहित्य	HEC404	
	लोकसाहित्य	HEC405	
	हिन्दी पत्रकारिता	HEC406	
प्रश्नपत्र-२०	इन्टर डिसीप्लीनरी कोर्स		
	(अ) Information Technology and Data Analysis	HIDC407	
	आ) Social Problems	HIDC408	

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचन्द्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटण

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

सत्र (सेमिस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष : २०१२ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र - शैक्षणिक वर्ष - २०१२ से लागू

प्रश्नपत्र-१६ सामान्य स्तर : आधुनिक काव्य - II

(गीतिकाव्य, विशेषकवि तथा नईकविता)

(१) गीतिकाव्य : उर्वशी - रामधारीसिंह दिनकर
प्रका. लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

(२) विशेषकवि : जयशंकर प्रसाद (आँसू)
प्रका. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

(३) नई कविता : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, (प्रतिनिधि कविताएँ-१२)
प्रका. राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

प्रतिनिधि कविताएँ :

(१) एक सूनी नाव
(२) माँ की याद
(३) लाल सायकिल
(४) पत्नी की मृत्यु पर
(५) दिवंगत पिता के लिए
(६) गोबरैले
(७) भेडिया - १,२,३
(८) आत्म-साक्षात्कार
(९) सबकुछ कह लेने के बाद
(१०) कुआनो नदी
(११) बाँसगाँव
(१२) पंचधातु

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. उर्वशी : संवेदना और शिल्प - डॉ. सुशीला शर्मा।

३. दिनकर और उनकी उर्वशी - प्रो. देशराजसिंह भाटी।

३. दिनकर : व्यक्तित्व और कृतित्व - सं. जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी।

४. जयशंकर प्रसाद : आ. नंददुलारे वाजपेयी
प्रका. भारती भंडार, लीडरप्रेस, इलाहाबाद।

५. प्रसाद : एक अध्ययन
प्रका. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।

६. जयशंकर प्रसाद : सृष्टि और दृष्टि - कल्याणमल लोढ़ा
प्रका. नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

७. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर - डॉ. संतोषकुमार तिवारी
प्रका. वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे		**कुल अंक - ७०**
प्रश्न-१ स-संदर्भ व्याख्या	६ × ३ =	१८
प्रश्न-२ उर्वशी अथवा उर्वशी - दीर्घोत्तरी प्रश्न		१४
प्रश्न-३ आँसू अथवा आँसू - दीर्घोत्तरी		१४
प्रश्न-४ नई कविता अथवा नईकविता - दीर्घोत्तरी		१४
प्रश्न-५ अतिलघुत्तरी प्रश्न (तीनों रचनाओं में से)	१० × १ =	१०
		७०

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र १७ : विशेष स्तर - हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. **हिन्दी का ऐतिहासिक विकास** : अवहट्ट और हिन्दी, आदिकालीन, मध्यकालीन और आधुनिककालीन हिन्दी।

२. **हिंदी की उपभाषाएँ और बोलियाँ** : वर्गीकरण - पूर्वी हिंदी व पश्चिमी हिंदी की तुलना, खडीबोली, ब्रज और अवधी की व्याकरणिक विशेषताएँ।

३. **हिंदी का शब्द भंडार** : तत्सम, अर्धतत्सम, तद्भव, देशी, विदेशी शब्द।

४. **हिंदी का शब्द निर्माण** : उपसर्ग, प्रत्यय, समास।

५. **हिंदी का व्याकरणिक स्वरूप और विकास** : रूप रचना - लिंग, वचन और कारक-व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया रूप तथा अव्ययों का विकास।

६. **हिंदी के विविध रूप** : संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संचार भाषा।

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. भाषाविज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी

२. भाषाविज्ञान : डॉ. राजमल बोरा

३. भाषाविज्ञान की भूमिका - सैद्धांतिक विवेचन - डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा

४. भाषाविज्ञान के सिद्धांत - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

५. भाषाविज्ञान : सैद्धांतिक विवेचन - रवीन्द्र श्रीवास्तव

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

६. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा - द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

७. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा - डॉ. केशवदेव रूपाली

८. भाषाविज्ञान की भूमिका - आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा

९. सामान्य भाषाविज्ञान - डॉ. बाबूराम सक्सेना

१०. आधुनिक भाषाविज्ञान - डॉ. कृपाशंकर सिंह

११. आधुनिक भाषाविज्ञान के सिद्धांत - डॉ. रामकिशोर शर्मा

१२. भाषा और भाषाविज्ञान - डॉ. तेजपाल चौधरी

१३. हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी

१४. हिंदी की ग्रामीण बोलियाँ - डॉ. हरदेव बाहरी

१५. हिंदी और उसकी उपभाषाओं का स्वरूप - डॉ. अंबाप्रसाद 'सुमन'

१६. हिंदी भाषा - कैलाशचंद्र भाटिया

१७. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी

१८. भारतीय लिपियों की कहानी - गुणाकर मुले

१९. नागरी लिपि रूप और सुधार - मोहन ब्रिज

२०. नागरी लिपि का उद्‌भव और विकास - डॉ. ओमप्रकाश भाटिया

२१. नागरी की लिपि संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी

२२. भारत की भाषाएँ - डॉ. राजमल बोरा

२३. हिंदी भाषा का विकासात्मक इतिहास - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

२४. हिंदी भाषा का इतिहास और स्वरूप - डॉ. राममूर्ति शर्मा

२५. आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. केशवदत्त रुपाली

२६. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा की भूमिका - त्रिलोचन पांडेय

२७. भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा का स्वरूप विकास - डॉ. देवेन्द्र प्रताप सिंह

२८. भाषाविज्ञान और हिंदी - डॉ. रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'

२९. भाषाशास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा - डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

३०. आधुनिक भाषाविज्ञान - डॉ.राजमणि शर्मा

३१. भाषाविज्ञान प्रवेश और हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी

३२. अभिनव भाषाविज्ञान - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा

३३. आधुनिक भाषाविज्ञान - कृपाशंकर सिंह/चतुर्भुज सहाय

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र १८ : विशेष स्तर - स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास

अध्यापन संबंधी सूचना :

१. इतिहास का प्रश्नपत्र होने के कारण किसी प्रवृत्ति या विद्या का विकास एवं ऐतिहासिक महत्त्व से संबंधित प्रश्न अपेक्षित है, विश्लेषणात्मक नहीं।

२. इतिहास से संबंधति प्रश्नों के उत्तर में पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, विद्या या प्रवृत्ति का अभिप्राय, प्रारंभ-नामकरण, अन्य विद्या या प्रवृत्ति से संबंध, कथ्य और शिल्पगत विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ आदि मुद्दे हो सकते हैं।

:: पाठ्यक्रम ::

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास :

इकाई-१ : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास :

(क) आंचलिक उपन्यास (ख) मनोवैज्ञानिक उपन्यास (ग) ऐतिहासिक उपन्यास

इकाई-२ : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी :

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी-एक सर्वेक्षण, हिन्दी कहानी आन्दोलन : नयी कहानी, अकहानी, समान्तर कहानी, समकालीन कहानी तथा अन्य आन्दोलन।

इकाई-३ : निबंध और आलोचना :

(क) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध :

(१) विचार प्रधान निबंध (२) ललित निबंध

(३) हास्य एवं व्यंग्यप्रधान (४) समीक्षात्मक निबंध

इकाई-४ : गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास :

(क) स्वातंत्र्योत्तर काव्य :

प्रबंध काव्य, गीत एवं गजल, समकालीन बोध और गुजरात की हिन्दी कविता।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

(ख) स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास साहित्य

(ग) स्वातंत्र्योत्तर कहानी

इकाई-५ : आत्मकथा/जीवनी/संस्मरण/रेखाचित्र

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चनसिंह; राधाकृष्ण प्रका. दिल्ली

२. द्वितीय महासमरोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास-लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय : हिन्दी परिषद, इलाहाबाद।

३. नयी कविता : डॉ. कान्तिकुमार, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।

४. कविता के नये प्रतिमान : नामवरसिंह; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

५. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी; राजकमल प्रका. दिल्ली।

६. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा; राजकमल प्रका. दिल्ली।

७. हिन्दी उपन्यास : एक अन्यार्यात्रा : डॉ. रामदरश मिश्र; राजकमल प्रका. दिल्ली।

८. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : संपा. रामदरश मिश्र; गिरनार प्रका. महेसाना (उ.गु.)।

९. हिन्दी नाटक और रंगमंच : पहचान और परख : इन्द्रनाथ मदान; लिपि प्रका. दिल्ली।

१०. समकालीन हिन्दी नाटककार : गिरीश रस्तोगी; भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नयी दिल्ली।

११. समकालीन हिन्दी उपन्यास : विवेकी राय; राजीव प्रकाशन, इलाहाबाद।

१२. गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी लेखन : संपा. रघुवीर चौधरी, डॉ. आलोक गुप्ता वाचिकम्, हिन्दी विभा., गुजरात युनि., अहमदाबाद।

१३. हिन्दी के आंचलिक उपन्यास : संपा. रामदरश मिश्र, ज्ञानचंद गुप्त, वाणी प्रका. दिल्ली।

१४. हिन्दी कहानी के सौ वर्ष : संपा. वेदप्रकाश आमिताभ; मधुवन प्रकाशन, मथुरा।

१५. नयी कविता : स्वरूप और समस्याएँ : डॉ. जगदीश गुप्त, ज्ञानपीठ, दिल्ली।

१६. साठोत्तरी हिन्दी उपन्यास : विविध प्रयोग : डॉ. कुसुम शर्मा, श्याम प्रका., कानपुर।

१७. प्रतिनिधि हिन्दी उपन्यास : भाग १-२; डॉ. चमनलाल, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंदीगढ़।

१८. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : देसाई, बापूराव, भारतीय ग्रंथ निकेतन।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

१९. नया साहित्य : नये प्रश्न : आ. नन्ददुलारे वाजपेयी; विद्यामंदिर, वाराणसी।

२०. आधुनिक हिन्दी साहित्य : गुजरात; डॉ. रामकुमार गुप्त, अभिवंदन ग्रन्थ प्रधान संपा. आचार्य रघुनाथ भट्ट, प्रका. हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद।

२१. स्वातंत्र्योत्तर युगीन परिप्रेक्ष्य और नुक्कड नाटक : डॉ. मदनमोहन शर्मा पार्श्व प्रका., अहमदाबाद।

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सत्र

प्रश्न पत्र १९ : विशेष स्तर - वैकल्पिक

(सूचना : क,ख,ग में से किसी एक विषय का अध्ययन करना है)

(क) भारतीय साहित्य

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. भारतीय साहित्य का स्वरूप

२. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

३. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब

४. भारतीयता और समाजशास्त्र

५. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

अध्ययनार्थ साहित्य कृतियाँ :

१. नवलकथा : मानवीनीभवाई - पन्नालाल पटेल, साधना प्रकाशन, अहमदावाद (गुजराती)

२. नाटक - घासीराम कोटवाल - विजय तेंदुलकर (मराठी), राजकमल प्रका. दिल्ली

३. उपन्यास - गोरा - रवीन्द्रनाथ ठाकुर (बंगाली), राजकमल प्रका. दिल्ली

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. भारतीय साहित्य - संपा. डॉ. नगेन्द्र

२. आज का भारतीय साहित्य - संपा. साहित्य अकादमी

३. मराठी साहित्य : परिप्रेक्ष्य - संपा. डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर

४. बंगला साहित्य का इतिहास - डॉ. बॅनर्जी

५. भारतीय साहित्यकारों से साक्षात्कार - डॉ. रणवीर रांग्रा

६. भारतीय साहित्य : अवधारणा, स्वरूप और समस्याएँ - के. सच्चिदानंद (वाणी)

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सत्र

प्रश्न पत्र १९ : विशेष स्तर - वैकल्पिक

(ख) लोकसाहित्य

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. 'लोक' शब्द की व्यत्पत्ति, स्वरूप, लोकसाहित्य का स्वरूप - परिभाषाएँ तथा विशेषताएँ, लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य में साम्य - भेद। लोकवार्ता का स्वरूप।

२. लोकसाहित्य का सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय तथा भाषा शास्त्रीय दृष्टि से महत्त्व।

३. लोकगीत : परिभाषाएँ, विशेषताएँ और प्रेरणा स्त्रोत, लोकगीत और शिष्टगीत में अंतर, लोकगीतों के वर्गीकरण की पद्धतियाँ, लोकगीतों का परिचय - सोहर, मुंडन, विवाह, गौना, होली, सावनगीत आदि। गडरिया, चक्की की ओवियाँ, पवाडा, लावनी आदि।

४. लोककथा : परिभाषा एवं स्वरूप, विशेषताएँ, लोककथा में अभिप्राय का महत्त्व, लोककथा के उत्पत्तिविषयक सिद्धांत, लोककथाओं का वर्गीकरण।

५. लोकनाट्य : परिभाषा एवं स्वरूप, विशेषताएँ, लोकनाट्य और शास्त्रीय नाटक में अंतर, लोकनाट्यों का परिचय - रामलीला, रासलीला, कीर्तन, यक्षगान, जात्रा, भवाई, ख्याल, माँच, नौटंकी, कुचिपुडी, तमाशा, गोंधण।

६. लोकसाहित्य का कलापक्ष : भावव्यंजना, रसपरिपाक, भाषा, अलंकार-योजना, छंद-विधान, प्रतीकात्मकता आदि दृष्टियों से विवेचन।

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. भारतीय लोकसाहित्य - डॉ. श्याम परमार

२. लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय

३. लोकसाहित्य : सिद्धान्त और प्रयोग - डॉ. श्रीराम शर्मा

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

४. लोक साहित्य के प्रतिमान - डॉ. कुंदनलाल उप्रैति

५. खडीबोली का लोकसाहित्य - डॉ. सत्यगुप्त

६. लोकसाहित्य का विज्ञान - डॉ. सत्येंद्र

७. लोकवार्ता और लोकगीत - डॉ. सत्येंद्र

८. लोकसाहित्य का अध्ययन - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

एम.ए. (हिंदी) चतुर्थ सत्र

प्रश्न पत्र १९ : विशेष स्तर - वैकल्पिक

(ग) हिंदी पत्रकारिता

:: पाठ्यक्रम ::

अध्ययनार्थ विषय :

१. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख पत्रकार।

२. विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरंभ, हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास।

३. पत्रकारिता के मूल तत्व - समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम, समामार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना।

४. संपादन कला : सामान्य सिद्धांत शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार पत्र को प्रस्तुति प्रक्रिया, समाचार के विभिन्न स्रोत।

५. दृश्य सामग्री (कार्टून रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति।

६. पत्रकारिता से संबंधित लेखन - संपादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन आदि की प्रविधि।

७. इलेक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता - रेडियो, टीवी, व्हिडीओ, केबल, मल्टीमीडिया और इंटरनेट पत्रकारिता।

८. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पुष्ट सज्जा, मुक्तप्रेस की अवधारणा, लोकसंपर्क तथा विज्ञापन।

:: संदर्भ पुस्तकें ::

१. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता और रचनात्मक नवलेखन का अन्तःसंबंध - डॉ. ऋचा शर्मा

२. जनमाध्यम प्राद्यौगिकी और विचारधारा - जगदीश्वर चतुर्वेदी

३. जनसंचार माध्यम : चुनौतियाँ और दायित्व - डॉ. त्रिभुवन राय श्याम प्रकाशन, जयपुर

४. जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र - जवरीमल्ल पारीख

५. हिंदी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका - जगदीश्वर चतुर्वेदी

६. मीडिया विमर्श - रामशरण जोशी

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

७. परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम - पूरनचंद्र जोशी

८. लोकसाहित्य का अध्ययन - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

९. साइबर स्पेस और मीडिया - सुधीर पचौरी

१०. साहित्य का उत्तरकांड - सुधीर पचौरी

११. दूरदर्शन : सम्प्रेषण और संस्कृति - सुधीर पचौरी

१२. दूरदर्शन : विकास से बाजार तक - सुधीर पचौरी

१३. ब्रेक के बाद - सुधीर पचौरी

१४. इक्कीसवीं सदी और हिंदी पत्रकारिता - अमरेंद्रकुमार

१५. एक जनभाषा की त्रासदी - गिरिराज किशोर

१६. सूचना समाज - जगदीश्वर चतुर्वेदी

:: प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन ::

समय - ३ घंटे **कुल अंक - ७०**

पाठ्यक्रम पर आधारित चार दीर्घोत्तरी प्रश्न होंगे तथा पाचवाँ प्रश्न टिप्पणियों (४ में से २) का होगा। तथा प्रश्न-६ में अति लघुत्तरी प्रश्नो होंगे।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

पाठ्यक्रम के हेतु

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की निर्देशिका के अनुसार हिन्दी अभ्यास समिति ने एम. ए. सेमेस्टर I से IV का पाठ्यक्रम तैयार किया है | इस पाठ्यक्रम के हेतु निम्नांकित हैं -

- भाषा-साहित्य के छात्र विभिन्न साहित्यिक विधाओं के स्वरूप और तत्त्वों से अवगत हो |
- भाषा-साहित्य के छात्र उपन्यास , कहानी , नाटक , एकांकी , निबंध , आत्मकथा , जीवनी , संस्मरण , रेखाचित्र , महाकाव्य , खंडकाव्य , गीतिनाट्य आदि साहित्यिक विधाओं के उद्भव और विकास से परिचित हो |
- विभिन्न साहित्यिक विधाओं में निरूपित परिवेश , युगीन समस्याओं , समाज-जीवन , रीति-रिवाज , विभिन्न त्यौहार , संस्कृति , लोकबोली , लोकगीतों आदि से भाषा-साहित्य के छात्र रूबरू हो |
- भाषा-साहित्य के छात्र कवियों-लेखकों के विचार-जगत और कल्पना-जगत से परिचित हो |
- विभिन्न साहित्यिक रचनाओं के काव्य-सौंदर्य और भाव-सौंदर्य से भाषा-साहित्य के छात्र परिचित हो |
- भाषा-साहित्य के छात्र विभिन्न कृतियों में निरूपित भाषा के विविध रूपों , मुहावरों , कहावतों , विशिष्ट उक्तियों , अलंकारों , छंदों , उपमानों , शब्द-वैविध्य आदि से अवगत हो |
- भाषा-साहित्य के छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि का विकास हो |
- छात्रों का साहित्य के प्रति लगाव बढ़े और अन्य साहित्यिक कृतियों को पढ़ने की प्रेरणा मिले |

I/C Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

सत्र १ से ४ (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी प्रथम सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -101	आधुनिक हिन्दी कथा-साहित्य
प्रश्नपत्र -२	CC -102	मध्ययुगीन हिन्दी काव्य
प्रश्नपत्र -३	CC -103	भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धान्त
प्रश्नपत्र -४	CC -104	नाटककार मोहन राकेश
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID - 105 A	राजभाषा प्रशिक्षण (वैकल्पिक)
	ID - 105 B	हिन्दी साहित्य और सिनेमा-जगत (वैकल्पिक)
	ID - 105 C	विशिष्ट साहित्यकार : प्रेमचन्द (वैकल्पिक)

एम. ए. हिन्दी द्वितीय सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -201	आधुनिक हिन्दी नाटक तथा अन्य विधाएँ
प्रश्नपत्र -२	CC -202	मध्ययुगीन हिन्दी काव्य
प्रश्नपत्र -३	CC -203	पाश्चात्य काव्यशास्त्र : सिद्धान्त और वाद
प्रश्नपत्र -४	CC -204	हिन्दी उपन्यास
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID- 205 A	सूफी काव्य परंपरा और जायसी का 'पद्मावत ' (वैकल्पिक)
	ID- 205 B	हिन्दी दलित साहित्य (वैकल्पिक)
	ID- 205 C	हिन्दी व्यंग्य साहित्य (वैकल्पिक)

एम. ए. हिन्दी तृतीय सत्र :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -301	आधुनिक हिन्दी काव्य - I
प्रश्नपत्र -२	CC -302	सैद्धान्तिक भाषाविज्ञान
प्रश्नपत्र -३	CC -303	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - I
प्रश्नपत्र -४	CC -304	अनुवादविज्ञान
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID - 305 A	हिन्दी लेखन कौशल (वैकल्पिक)
	ID - 305 B	जनसंचार प्रक्रिया और हिन्दी (वैकल्पिक)
	ID - 305 C	लोक साहित्य (वैकल्पिक)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र	कोड नंबर	विषय
प्रश्नपत्र -१	CC -401	आधुनिक हिन्दी काव्य - II
प्रश्नपत्र -२	CC -402	हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास
प्रश्नपत्र -३	CC -403	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - II
प्रश्नपत्र -४	CC -404	शोध प्रविधि
प्रश्नपत्र -५ (तीन में से कोई एक प्रश्नपत्र पढ़ना अनिवार्य है ।)	ID- 405 A	कोश विज्ञान (वैकल्पिक)
	ID- 405 B	हिन्दी पत्रकारिता (वैकल्पिक)
	ID- 405 C	भारतीय साहित्य (वैकल्पिक)

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र (सेमेस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र : CC - 401 ' आधुनिक हिन्दी काव्य II ' (खंडकाव्य, विशेष कवि और नई कविता)

पुस्तकें : १. ' महाप्रस्थान '(खंडकाव्य) - नरेश मेहता , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

२. ' आत्मजयी ' (विशेष कवि) - कुँवर नारायण, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली |

३. ' केदारनाथ सिंह प्रतिनिधि कविताएँ ' (नई कविता) - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

प्रतिनिधि पाठ्य कविताएँ –

(1) महानगर में कवि
(2) बनारस
(3) पहाड़
(4) दाने
(5) सूर्य
(6) मुक्ति
(7) पानी में घिरे हुए लोग
(8) टमाटर बेंचनेवाली बुढ़िया
(9) सन् 47 को याद करते हुए
(10) जीने के लिए कुछ शर्तें

यूनिट - १. उपर्युक्त तीनों रचनाओं में से ससंदर्भ व्याख्या |

यूनिट - २. ' महाप्रस्थान ' खंडकाव्य का मूल्यांकन :

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

कथावस्तु, काव्य स्वरूप , मूल प्रतिपाद्य , पात्र सृष्टि , भाषा-शैली , प्रकृति-चित्रण, शीर्षक की सार्थकता , प्रमुख चरित्रों का परिचय ।

यूनिट - ३. 'आत्मजयी' काव्य का मूल्यांकन :

उपनिषद आधारित कथा, मिथकीय सत्ता, समसामयिक संदर्भ, जीवन दर्शन, पात्र-सृष्टि, शिल्पगत विशेषताएँ, शीर्षक की सार्थकता , प्रमुख चरित्र - नचिकेता, वाजश्रवा, यमयम ।

यूनिट - ४. ' केदारनाथ सिंह' की प्रतिनिधि कविताओं के भाव-सौन्दर्य और काव्य-सौन्दर्य का अनुशीलन , कवि केदारनाथ सिंह की उपलब्धियाँ ।

❖ प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ ससंदर्भ व्याख्या (उपर्युक्त तीनों रचनाओं में से)

(क) अथवा (क) , (ख) अथवा (ख) | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ यूनिट - २ , ३ , ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. नरेश मेहता और उनका महाप्रस्थान - कृष्णदेव शर्मा ।

२. नरेश मेहता का काव्य विमर्श और मूल्यांकन – प्रभाकर शर्मा ।

३. नरेश मेहता कविता की ऊर्ध्वयात्रा – रामकमल राय |

४. नई कविता की प्रबंध चेतना – डॉ.मनोहरसिंह चौहान |

५. हिन्दी काव्य में मिथक का समसामयिक संदर्भ – डॉ. सविता मोहन ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

६. कुँवर नारायण और उनका साहित्य – अनिल मेहरोत्रा, ज्ञानभारती प्रकाशन, दिल्ली ।

७. हिन्दी के स्वातंत्र्योत्तर मिथकीय खंडकाव्य – कविता शर्मा, पार्श्व प्रकाशन अहमदाबाद ।

८. केदारनाथ सिंह चकिया से दिल्ली – संपा. कामेश्वर प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन दिल्ली |

९. समकालीन सृजन संदर्भ – भारत भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

१०. तार सप्तक के कवियों की समाज चेतना – राजेन्द्र प्रसाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र (सेमेस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -402 'हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास'

यूनिट - १. हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- भारतीय आर्यभाषाओं का परिचय – प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक ।
- आधुनिक आर्यभाषाओं का वर्गीकरण ।
- खड़ीबोली हिन्दी का उद्भव और विकास ।

यूनिट - २. हिन्दी का भौगोलिक क्षेत्र

- हिन्दी की उपभाषाओं और बोलियों का परिचय ।
- पूर्वी हिन्दी और पश्चिमी हिन्दी में अन्तर ।
- हिन्दी की प्रमुख बोलियों की व्याकरणिक विशेषताएँ (ब्रज, अवधी, भोजपुरी, मैथिली)

यूनिट - ३. हिन्दी भाषा के विविध रूप

- हिन्दुस्तानी और बोलचाल की हिन्दी ।
- मानक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी ।
- हिन्दी एक संपर्क भाषा ।
- राजभाषा हिन्दी और राष्ट्रभाषा हिन्दी, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति ।
- संचार भाषा के रूप में हिन्दी ।

यूनिट - ४. हिन्दी का शब्द निर्माण और शब्द भंडार :

- हिन्दी की शब्द-रचना – मूल, यौगिक, योगरूढ

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

- शब्द-रचना की विविध रीतियाँ - उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास ।
- हिन्दी शब्द-संपदा - तत्सम, अर्ध तत्सम, तदभव, देशज, विदेशी आदि ।

❖ प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ यूनिट २, ३, ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएँगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास – हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रका., इलाहाबाद |

२. हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |

३. हिन्दी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी |

४. भाषाविज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी |

५. भाषाविज्ञान की भूमिका – सैद्‌धांतिक विवेचन – डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा |

६. भाषाविज्ञान के सिद्‌धांत – डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय |

****

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र (सेमेस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -403 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास - II

यूनिट - १. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास |

- **आँचलिक उपन्यास – अवधारणा, प्रमुख उपन्यास और उपन्यासकारों का परिचय ।**
- **मनोवैज्ञानिक उपन्यास - अवधारणा, प्रमुख उपन्यास और उपन्यासकारों का परिचय ।**
- **लघु उपन्यास – अवधारणा, प्रमुख उपन्यास और उपन्यासकारों का परिचय ।**
- **आधुनिकतावादी उपन्यास ।**

यूनिट - २. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी |

- **स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी पृष्ठभूमि ।**
- **नई कहानी – कथ्यगत और और शिल्पगत विशेषता, प्रमुख कहानीकार ।**
- **साठोत्तरी हिन्दी कहानी के विविध आंदोलन – अकहानी, समानान्तर कहानी और अन्य कहानी आंदोलन, समकालीन कहानी ।**

यूनिट - ३. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ |

- **स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंधों का विकासात्मक अध्ययन, प्रमुख निबंधकार और उनका योगदान, ललित निबंध और आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, हास्य-व्यंग्य प्रधान निबंध और हरिशंकर परसाई ।**
- **स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी आलोचना – मार्क्सवादी आलोचना, रूपवादी आलोचना, रचना केन्द्रित और रचनाकार केन्द्रित आलोचना ।**
- **स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी संस्मरण और रेखाचित्र, महादेवी वर्मा का योगदान ।**

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

यूनिट - ४. गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य |

- **गुजरात की स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता – प्रबंधकाव्य , गीत एवं गज़ल, समकालीन बोध की कविता ।**
- **गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास साहित्य ।**
- **गुजरात की स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी ।**

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. **हिन्दी साहित्य का इतिहास - नगेन्द्र |**
२. **हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चनसिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली |**
३. **हिन्दी उपन्यास का इतिहास – गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |**
४. **आधुनिक हिन्दी उपन्यास - नामवरसिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |**
५. **आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – बच्चनसिंह, लोकभारती प्रका., इलाहाबाद ।**
६. **हिन्दी कहानी का इतिहास – भाग-3, गोपालराय, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली |**
७. **हिन्दी कहानी के सौ वर्ष - संपा. वेदप्रकाश अमिताभ, मधुवन प्रकाशन, मथुरा ।**
८. **हिन्दी निबंध – विश्वनाथप्रसाद तिवारी, वाराणसी ।**
९. **हिन्दी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल, दिल्ली ।**
१०. **गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी लेखन – संपा. रघुवीर चौधरी, अहमदाबाद ।**

U-Tube पर ई-पाठशाला के अन्तर्गत विद्वानों के व्याख्यान उपलब्ध हैं ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र (सेमेस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र : CC -404 'शोध प्रविधि '

यूनिट - १. शोध का स्वरूप :

- **शोध की अवधारणा, शोध की प्रकृति, शोध के तत्व, शोध का उद्देश्य और महत्व,**
- **शोध और समीक्षा, शोध और आस्वाद ।**

यूनिट - २. शोध के प्रकार :

- **साहित्यिक शोध ।**
- **तुलनात्मक शोध ।**
- **शैली वैज्ञानिक शोध ।**
- **भाषा वैज्ञानिक शोध ।**
- **समाजशास्त्रीय और मनोवैज्ञानिक शोध । |**

यूनिट - ३. शोध-प्रक्रिया |

- **शोध-प्रक्रिया से तात्पर्य ।**
- **शोध-प्रक्रिया के विविध सोपान –**
- **विषय-चयन, शोध प्रबंध की रूपरेखा, सामग्री संकलन, भूमिका लेखन, पाद टिप्पणी, संदर्भ निर्देश ।**

यूनिट - ४. शोधार्थी , निर्देशक और शोध-पत्र लेखन |

- **शोधार्थी के गुण ।**
- **शोध निर्देशक की योग्यता ।**

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

- शोध-पत्र से तात्पर्य और उसकी प्रकृति ।
- शोध-पत्र लेखन की प्रक्रिया ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ यूनिट २ , ३ , ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी , जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. साहित्यिक अनुसंधान के आयाम – रवीन्द्रकुमार जैन, नेशनल पब्लिशिंग , दिल्ली |
२. शोध – प्रविधि – विनय मोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग , दिल्ली |
३. अनुसंधान – स्वरूप और प्रविधि, रामगोपाल शर्मा, राजस्थान ग्रंथ अका. जयपुर |
४. आधुनिक शोध पद्धति – रामगोपाल सिंह जादौन, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद ।
५. शोध सिद्धान्त – संपा. बी. के. कलासवा, शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद ।
६. हिन्दी अनुसंधान - विजयपाल सिंह , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद |
७. अनुसंधान सर्जन एवं प्रक्रिया - डॉ. अर्जुन तडवी , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
८. हिन्दी अनुसंधान : वैज्ञानिक पद्धतियाँ - डॉ. कैलाशनाथ मिश्र , विद्या प्रकाशन , कानपुर |

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र (सेमेस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र : ID- 405 A कोश विज्ञान

यूनिट - १ कोश की परिभाषा और स्वरूप , वर्तमान समय में कोश की उपयोगिता, कोश और व्याकरण का सम्बन्ध , कोश और भाषाविज्ञान का सम्बन्ध , कोश और साहित्य का सम्बन्ध, कोश-निर्माण कला या विज्ञान ।

यूनिट - २ कोश के प्रकार – समभाषी कोश, द्विभाषी कोश, बहुभाषी कोश, विश्वकोश, अध्येता कोश, बोली कोश, व्युत्पत्ति कोश, समांतर कोश, कालक्रमिक कोश, पारिभाषिक कोश, विषय कोश, मुहावरा एवं सूक्ति कोश, |

यूनिट - ३ कोश-निर्माण का इतिहास – प्राचीन एवं मध्यकालीन कोश, हिन्दी कोश की परंपरा, हिन्दी के प्रमुख कोश और कोशकार , कोश की परंपरा |

यूनिट - ४ कोश निर्माण की समस्याएँ – समभाषी कोश निर्माण की समस्याएँ, द्विभाषी कोश निर्माण की समस्याएँ, बहुभाषी कोश निर्माण की समस्याएँ, पारिभाषिक कोश निर्माण की समस्याएँ | विश्व कोश निर्माण की चुनौतियाँ ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - ५ प्रत्येक यूनिट में से एक-एक करके कुल चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी ,
जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. कोशविज्ञान – भोलानाथ तिवारी, |

२. आधुनिक हिन्दी प्रयोग कोश – बदरीनाथ कपूर |

३. कोशविज्ञान से सम्बन्धित जानकारी गूगल पर उपलब्ध है ।

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र (सेमेस्टर) पद्धति

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र : ID- 405 B हिन्दी पत्रकारिता

यूनिट - १ पत्रकारिता से तात्पर्य, पत्रकारिता का स्वरूप, वर्तमान समय में पत्रकारिता का महत्व, विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरंभ, हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास ।

यूनिट - २ पत्रकारिता के मूल तत्व – समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम , समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना, संपादन कला के सामान्य सिद्धान्त, शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति , प्रक्रिया और समाचार के विभिन्न स्रोत ।

यूनिट - ३ इलेक्ट्रोनिक मीडिया – रेडियो पत्रकारिता, टी.वी.पत्रकारिता, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और सोशियल मीडिया । पत्रकारिता में दृश्य सामग्री- कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स की की व्यवस्था ।

यूनिट -४ प्रिन्ट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रुफ पठन, ले आउट तथा पृष्ठ-सज्जा, लोक संपर्क तथा विज्ञापन । पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन -संपादकीय, फिचर, रीपोर्ताज, साक्षात्कार , खोजी समाचार, अनुवर्तन आदि की प्रविधि ।

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ यूनिट २, ३ , ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास की भूमिका – जगदीश्वर चतुर्वेदी ।

२. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता – अर्जुन तिवारीतिवारी ।

३. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता और रचनात्मक नवलेखन का अन्तःसम्बन्ध – ऋचा शर्मा ।

४. जनसंचार माध्यम चुनौतियाँ और दायित्व – त्रिभुवन राय।

५. मीडिया विमर्श – रामशरण जोशी ।

६. इक्कीसवीं सदी और हिन्दी पत्रकारिता – अमरेन्द्रकुमार ।

****

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय , पाटण

एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम

चतुर्थ सत्र (सेमेस्टर पद्धति)

(शैक्षणिक वर्ष २०१८ से कार्यान्वित)

एम. ए. हिन्दी चतुर्थ सत्र :

प्रश्नपत्र : ID- 405 C भारतीय साहित्य

पुस्तकें : १. ' सत्यना प्रयोगो अथवा आत्मकथा ' (गुजराती आत्मकथा) - मोहनदास करमचंद गांधी , नवजीवन प्रकाशन , अमदावाद (मूल गुजराती) |

हिन्दी अनुवाद : ' सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा ' (१९४८)
- अनुवादक : हरिभाऊ उपाध्याय , सस्ता साहित्य मंडल नई दिल्ली |

२. ' घासीराम कोतवाल ' (मराठी नाटक) - विजय तेंदुलकर , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली |

हिन्दी अनुवाद : ' घासीराम कोतवाल ' - अनुवादक वसंत देव |

३ ' हजार चुराशिर माँ ' (बंगाली उपन्यास) - महाश्वेता देवी , करुणा प्रकाशन , कोलकटा |

हिन्दी अनुवाद : ' १०८४वें की माँ ' , अनुवादक : सांत्वना निगम , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली |

यूनिट - १. भारतीय साहित्य का स्वरूप , भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ , भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब , हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति |

यूनिट - २ ' सत्यना प्रयोगो अथवा आत्मकथा ' का समीक्षात्मक अध्ययन , गांधीजी के जीवन के मार्मिक प्रसंग , गांधीजी का जीवन-संघर्ष , गांधीजी का व्यक्तित्व |

यूनिट - ३ ' घासीराम कोतवाल ' का समीक्षात्मक अध्ययन ,

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , रंगमंचीयता , भाषा-शैली | शीर्षक की सार्थकता , प्रमुख चरित्र और गौण पात्र |

यूनिट - ४ ' हजार चुराशिर माँ ' की तात्विक समीक्षा :

कथा-विन्यास , पात्र-सृष्टि , संवाद , देशकाल और वातावरण , भाषा-शैली , उद्देश्य | शीर्षक की सार्थकता , उपन्यास में निरूपित युगबोध या समस्याएँ |

प्रश्नपत्र का प्रारूप :

प्रश्न - १ यूनिट - १ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - २ यूनिट - २ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ३ यूनिट - ३ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ४ यूनिट - ४ में से दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्पसहित पूछे जाएँगे | अंक : १४

प्रश्न - ५ यूनिट २, ३ , ४ में से चार टिप्पणियाँ पूछी जाएगी जिनमें से छात्रों को दो लिखनी होगी | अंक : १४

संदर्भ-ग्रंथ :

१. भारतीय साहित्य - संपादक : डॉ. नगेन्द्र , ,प्रभात प्रकाशन , दिल्ली |
२. भारतीय साहित्य - डॉ. शशि पंजाबी , विद्या प्रकाशन , कानपुर |
३. आज का भारतीय साहित्य - संपादक : साहित्य अकादमी |
४. मराठी साहित्य : परिप्रेक्ष्य - संपादक : डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर ,
५. बंगला साहित्य का इतिहास - डॉ. बेनर्जी
६. भारतीय साहित्यकारों से साक्षात्कार - डॉ. रणवीर रांग्रा , किताब घर , दिल्ली |
७. भारतीय साहित्य : अवधारणा , स्वरूप और समस्याएँ - के. सच्चिदानद , वाणी प्रकाशन , दिल्ली |
८. भारतीय साहित्य - डॉ. लक्ष्मीकान्त पाण्डेय , विद्या प्रकाशन , कानपुर |

I/c. Registrar
Hemchandracharya
North Gujarat University
PATAN